शरद पूर्णिमा आज...

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

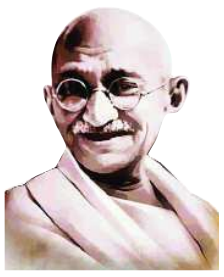

राष्ट्रपिता को नमन...

dainikindoresanket24@gmail.com | इंदौर, सोमवार 06 अक्टूबर 2025 | ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 279 ■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

2 इंदौर एयरपोर्ट पर कम हुई यात्रियों की संख्या

5 फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' का टीजर रिलीज

6 सराफा चौपाटी के नए स्वरूप को लेकर कोई निर्णय नहीं

लकी बना कमरा नं. 103... जो यहां बैठा वह बना कलेक्टर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर कलेक्टोरेट का एक चेंबर है, 103 नंबर। यह वह चेंबर (कक्ष) है जिसकी कई सालों से परंपरा चल रही है कि यहां अपर कलेक्टर बनकर अधिकारी बैठता है और वह कलेक्टर बनकर ट्रांसफर होता है। साल 2016 बैच के आईएएस गौरव बैनल के लिए भी यह लकी साबित हुआ है और उन्हें सिंगरौली कलेक्टर बनाया गया है। मंगलवार को ट्रांसफर होने के बाद अब वह बुधवार, 1 अक्टूबर को रिलीव हो रहे हैं। उनके पास अभी कॉलोनी सेल, खाद्य शाखा जैसे कई अहम प्रभार थे। उनकी जगह अभी कोई नया अपर कलेक्टर नहीं मिला है।

अब किसे मिलेगी कमान-ऐसे में अब उनके कामों का जिम्मा आईएएस 2019 बैच के पवार नवजीवन विजय और रिंकेश वैश्य के बीच में आंवटित किया जाएगा। बैनल की कार्यशैली के चलते अभी इंदौर कलेक्टर को काफी राहत थी, आने वाले दिनों में देखना होगा कि बैनल के काम की पूर्ति अधिकारी कैसे करते हैं।

इसके पहले ये अधिकारी कलेक्टर बनकर जा चुके-बैनल के पहले इस कक्ष में डॉ. अभय अरविंद बेड़ेकर बैठते थे, जो जुलाई 2023 में अलीराजपुर कलेक्टर बनकर ट्रांसफर हुए। बेड़ेकर के पहले दिनेश जैन यहां बैठते थे, जो जून 2020 में शाजापुर कलेक्टर बनकर यहां से गए। उनके पूर्व निधि निवेदिता इस चेंबर में थीं, जो विधानसभा चुनाव 2018 के बाद दिसंबर 2018 में राजगढ़ कलेक्टर बनकर ट्रांसफर हुईं। इसके पहले रूचिका चौहान यहां से कलेक्टर बनकर ट्रांसफर हुई थीं। उसके पूर्व दिलीप कुमार भी कलेक्टर बनकर ट्रांसफर हुए थे और रवींद्र सिंह भी। हाल के समय में राखी सहाय ही अधिकारी थीं जो इस चेंबर में रही थीं लेकिन कलेक्टरी नहीं मिली थी।

उधर चेंबर 108 को मानते हैं अनलकी

उधर कलेक्टोरेट में इसी फ्लोर पर एक चेंबर है 108 नंबर। इसे 103 के उलट अनलकी माना जाता है। इस चेंबर में बैठने वाले इंदौर कलेक्टोरेट में लंबे नहीं चले या विवादों में आना पड़ा। दिसंबर 2022 में सपना लोवंशी ने यह चेंबर इसी के चलते छोड़ दिया था। इसके पहले आईएएस हिमांशु चंद्र की यहां लंबी पारी नहीं खेल सके थे। लोवंशी के जाने के बाद इस चेंबर को कई हिस्सों में बांटकर अब डिप्टी कलेक्टर के लिए कर दिया गया है। पहले यहां पर जनसुनवाई होती थी, यह सभा कक्ष था।

ब्रेकिंग न्यूज

- जापान पहुंचे हरियाणा के सीएम नायब सैनी, प्रवासी भारतीय संगठन ने किया स्वागत
- लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने कनाडा में 3 जगहों पर कराई फायरिंग, घटना का वीडियो वायरल
- जयपुर एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में अग्निकांड में मृतकों की संख्या 7 हुई
- बरेली : आई लव मोहम्मद विवाद-पथराव और हिंसा मामले में अब तक 83 लोग गिरफ्तार
- स्विट्जरलैंड में इजरायल विरोधी प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प
- नेपाल में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ से तबाही, 52 की मौत
- मैं जल्द जाऊंगा संभल-धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री
- ओडिशा के कटक में हुई हिंसा के विरोध में वीएचपी ने आज बंद का किया आह्वान

चुनाव आयोग की आज शाम 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस, बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का होगा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) आज शाम 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए तारीखों और शेड्यूल की आधिकारिक घोषणा करेगा। उम्मीद लगाई जा रही हैं कि बिहार में दो चरणों में मतदान हो सकता है। वहीं, रविवार को पटना में आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट कर दिया था कि आगामी विधानसभा चुनाव 22 नवंबर से पहले संपन्न हो जाएगी, क्योंकि 22 नवंबर को वर्तमान कार्यकाल समाप्त हो रहा है। आयोग ने 4 और 5 अक्टूबर को बिहार का दौरा किया, जहां मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने राजनीतिक दलों, अधिकारियों, पुलिस और सिविल सोसाइटी से मुलाकात की। इस दौरान कानून-व्यवस्था, व्यय निगरानी और मतदान केंद्रों की व्यवस्था पर चर्चा हुई। राजनीतिक दलों ने चरणों की संख्या पर सुझाव दिए और आयोग ने छठ पूजा (18-28 अक्टूबर) और दिवाली को ध्यान में रखते हुए शेड्यूल तैयार किया है।

एक आरटीआई से जागा पुलिस सुधार आयोग का सोया अध्याय

15 साल से धूल खा रहे गृह विभाग के आदेश में फूंकी जान

कलम से कानून तक...
ज्ञानेन्द्र पटेल

पुलिस सुधार पर सर्वोच्च न्यायालय के प्रकाश सिंह मामले में निर्देशों पर पूरी तरह अमल आज दिनांक तक नहीं हो पाया है। वर्ष 1977 में पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह ने सर्वोच्च न्यायालय में पुलिस सुधारों को लेकर आवाज उठाई थी वहीं सालों बाद पुलिस सुधारो की चर्चा को जीवंत रखने के लिए हमारी एक आरटीआई ने गृह विभाग को फिर नींद से जगा दिया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के पुलिस सुधारों के आदेश पर मध्य प्रदेश के गृह विभाग में बड़ी हलचल मची हुई है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के पालन में पुलिस सुधारो से संबंधित जिला पुलिस शिकायत बोर्ड के गठन को लेकर गहमा-गहमी बढ़ गई है। जिसे लेकर अपर सचिव मध्य प्रदेश शासन गृह विभाग ने पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर 15 साल पुराने उस आदेश पर अमल करने को कहा है जिस पर जिला पुलिस शिकायत बोर्ड के गठन की बात कही गई थी। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय का आदेश स्पष्ट था, परंतु राज्य ने इन प्राधिकरण के गठन में काफी देरी कर दी। बोर्ड आम जनता को पुलिस के विरुद्ध शिकायत दर्ज करने के लिए यह एक स्वतंत्र और भरोसेमंद मंच साबित होता जो मध्य प्रदेश में केवल औपचारिक रूप से अस्तित्व में है। 'इतने सालों तक पुलिस को राजनीतिक और नौकरशाही के दबाव से मुक्त करने वाली स्वतंत्र निकाय कहां गुलाम थी?'

सर्वोच्च न्यायालय के प्रकाश सिंह बनाम भारत संघ एवं अन्य (2006) के मामले में पुलिस को राजनीतिक और नौकरशाही के दबाव से मुक्त कर जवाबदेह और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस सुधार के संबंध में दिए गए निर्देशों को लेकर मध्य प्रदेश शासन गृह विभाग ने वर्ष 2010 में ही पुलिस शिकायत बोर्ड का गठन किया था। जिसे एक स्वतंत्र निकाय के तौर पर काम करते हुए आम नागरिकों के लिए सुरक्षा का कवच बनना था। आम आदमी के साथ पुलिस का दुर्व्यवहार, गंभीर कदाचार, हिरासत में मृत्यु, गंभीर चोट, भ्रष्टाचार जैसी गंभीर शिकायतों की जांच करने और पुलिस के जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए गठित किया गया था, लेकिन जवाबदारों ने गृह विभाग के इस आदेश को 15 साल बीत जाने के बाद भी जमीनी स्तर पर अमल में नहीं लाया जा सका। पुलिस शिकायत बोर्ड का गठन करने के बाद पुलिस विभाग उसके परिपालन में आवश्यक कार्यवाही करना भूल गया था। लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ कि 30/9/2025 को मध्य प्रदेश शासन गृह विभाग के अपर सचिव द्वारा पुलिस महानिदेशक को राज्य शासन द्वारा वर्ष 2010 में गठित हो चुकी पुलिस शिकायत बोर्ड के परिपालन में आवश्यक कार्यवाही करने हेतु आदेश जारी करना पड़ा। जवाब एक आरटीआई है... हमने अगस्त 2025 में एक RTI के माध्यम से यह जानना चाहा कि आखिर जिला पुलिस शिकायत बोर्ड का गठन हुआ या नहीं।

पुलिस सुधार केवल आदेशों से नहीं, बल्कि इच्छाशक्ति और जनजागरूकता से लागू होते हैं

यह सवाल इतना सीधा था, लेकिन जवाब में व्यवस्था हिल गई

3 सितंबर 2025 को गृह विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 2010 के आदेश को फिर से क्रियान्वयन में लाने के निर्देश जारी किए। पुलिस महानिदेशक और सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को आदेश दिया गया कि बोर्ड का गठन कर उसकी प्रक्रिया शुरू की जाए। जानकारी पुलिस सुधार के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्षों पहले जारी निर्देशों के पालन से जुड़ी हुई है। एक अधिवक्ता ने आरटीआई लगाकर पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव गृह विभाग से जिला पुलिस शिकायत बोर्ड के गठन को लेकर जानकारी मांगी थी। आरटीआई अगस्त 2025 को फाइल की गई और गृह विभाग ने 3 सितंबर 2025 को बोर्ड के परिपालन हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के आदेश जारी कर दिए। हालांकि मांगी गई जानकारी के संबंध में गृह विभाग और कार्यालय पुलिस महानिदेशक जानकारी में विशिष्टियों का उल्लेख नहीं होने का हवाला देकर हाथ खड़े कर लिए हैं। मांगी गई जानकारी के कारण 2010 में गठित हो चुकी पुलिस शिकायत बोर्ड को फिर से जान मिल चुकी है और राज्य के पुलिस महानिदेशक और समस्त पुलिस अधीक्षक को बोर्ड के परिपालन में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश जारी हो चुके हैं।

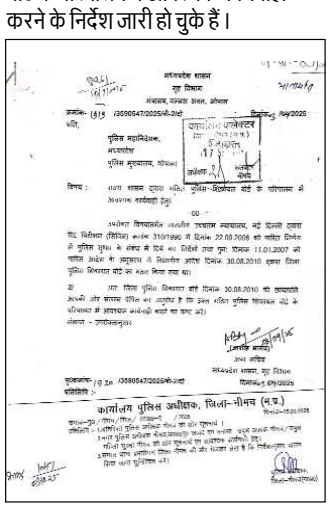

यह सवाल आज फिर से जिंदा हो उठा है, और इसकी वजह है एक सजग नागरिक द्वारा दाखिल की गई एक साधारण सी आरटीआई।

- इतने सालों तक पुलिस को राजनीतिक और नौकरशाही के दबाव से मुक्त करने वाली स्वतंत्र निकाय कहां गुलाम थी?
- 2010 में गृह विभाग सरकार ने हर जिले में पुलिस शिकायत बोर्ड बनाने का आदेश दिया था, जिस पर आज तक अमल नहीं हो पाया।
- जिला पुलिस शिकायत बोर्ड आम जनता का अपमान और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सशक्त हथियार कब बनेगा?
- आरटीआई से खुला भ्रष्ट व्यवस्था का पर्दा
- अगस्त 2025 में एक आरटीआई के माध्यम से यह जानना चाहा कि आखिर जिला पुलिस शिकायत बोर्ड का गठन हुआ या नहीं।
- यह सवाल इतना सीधा था, लेकिन जवाब में राज्य की व्यवस्था हिल गई।
- 3 सितंबर 2025 को गृह विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 2010 के आदेश को फिर से क्रियान्वयन में लाने के निर्देश जारी किए। पुलिस महानिदेशक और सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को आदेश दिया गया कि बोर्ड का गठन कर उसकी प्रक्रिया शुरू की जाए।
- एक आरटीआई जिसने सरकार को उसकी 15 साल पुरानी जिम्मेदारी याद दिला दी — यह इस बात का प्रमाण है कि सही समय पर उठाई गई आवाज व्यवस्था में बदलाव ला सकती है।
- अब जरूरत है कि सरकार इस पहल को कागज से निकालकर जमीनी हकीकत में बदले और इसे राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रखे।
- जवाब देने में दोनों कार्यालयों ने स्पष्ट जानकारी नहीं दी, लेकिन यह सवाल इतना असरदार था कि शासन को अपने पुराने आदेश को दोबारा खंगालना पड़ा।

क्या है जिला पुलिस शिकायत बोर्ड

पुलिस सुधार को लेकर वर्ष 2006 को पारित सर्वोच्च न्यायालय के आदेश में सभी राज्यों को जिला स्तर पर जिला पुलिस शिकायत बोर्ड के गठन के निर्देश जारी किए गए थे। पुलिस शिकायत बोर्ड कांस्टेबल से लेकर डीसीपी स्तर तक के अधिकारियों के खिलाफ गंभीर कदाचार, भ्रष्टाचार के मामले में आम जनता की शिकायतों का निवारण करने का एक स्वतंत्र और मजबूत मंच है। उच्चतम न्यायालय के पारित निर्णय के अनुसरण में मध्य प्रदेश गृह विभाग मंत्रालय द्वारा 30 अगस्त 2010 को ही जिला पुलिस शिकायत बोर्ड को लेकर आदेश जारी कर दिया गया था। बोर्ड के गठन अनुसार पुलिस शिकायत बोर्ड का अध्यक्ष जिले का प्रभारी मंत्री होगा साथ ही जिला पंचायत एवं नगरी निकायों के निर्वाचित सदस्यों में से प्रभारी मंत्री द्वारा एक महिला सदस्य को नामांकित किया जाएगा। इसके साथ जिला दंडाधिकारी सदस्य और सबसे आखरी में पुलिस अधीक्षक सदस्य सचिव के रूप में काम करेंगे।

जिला पुलिस शिकायत बोर्ड का क्षेत्राधिकार

गृह विभाग का आदेश कहता है कि जिला पुलिस शिकायत बोर्ड को कांस्टेबल से लेकर उप पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों से संबंधित शिकायतों पर कार्यवाही प्रस्तावित करने का अधिकार होगा। यदि उच्च अधिकारी के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होती है तो उसे राज्य स्तर आयोग या एजेंसी को सलाह देने का अधिकार भी बोर्ड के पास होगा। जिसका सीधा अर्थ यह हुआ कि आम जनता के लिए एक और स्वतंत्र खुला मंच जिसमें उसे किसी अधिकारी के सामने हाथ बनकर खड़े होकर उसी की शिकायत करने की आवश्यकता नहीं होगी...

किन मामलों की सुनवाई करेगा जिला पुलिस शिकायत बोर्ड

जिला पुलिस शिकायत बोर्ड को पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के संबंध में प्राप्त निम्न शिकायतों पर कार्रवाई करने का अधिकार होगा

- अधिकारियों द्वारा कदाचरण एवं प्रताड़ना, भूमि पर कब्जा तथा अश्लील टीका टिप्पणी संबंधी प्रकरण
- रिपोर्ट लिखने में एवं कार्य में विलंब अथवा मना करने पर शिकायत
- व्यक्तिगत विद्वेष से अधिकारों का दुरुपयोग करने पर प्राप्त शिकायत
- पुलिस अभिरक्षा में मृत्यु, बलात्कार तथा गंभीर शारीरिक चोट पहुंचने पर शिकायत
- नियम विरुद्ध गिरफ्तार करना तथा पुलिस अभिरक्षा में रखना
- अन्य विषय जो राज्य शासन समय-समय पर सौंपे

किस तरह काम करेगा बोर्ड

बोर्ड को शिकायत प्राप्त होने पर सदस्य सचिव की हैसियत से पुलिस अधीक्षक को प्राप्त शिकायत दर्ज करना होगा साथ ही प्रतिमाह बोर्ड के अध्यक्ष से बैठक की तिथि निर्धारित करने के बाद बोर्ड के सामने सभी शिकायतों को रखना होगा। यदि बोर्ड चाहे तो पीड़ित पक्ष को सीधे भी सुन सकता है पक्ष जानने के बाद शिकायत का परीक्षण कर विधि अनुसार कार्रवाई करने का अधिकार बोर्ड को होगा। जिसका सीधा अर्थ यह हुआ कि पुलिस अधिकारी अपनी मनमानी चला कर अपने पसंदीदा आधिकारी को उसके पदीय कर्तव्यों के उल्लंघन के अपराध से नहीं बचा पाएंगे

कैसे मिलेंगी बोर्ड को शिकायतें

जिला स्तर पर गठित जिला पुलिस शिकायत बोर्ड को शिकायतें व्यक्तिगत आवेदन पत्र के माध्यम और ऑनलाइन या ईमेल के द्वारा भेजी जा सकते हैं साथ ही जनसुनवाई में पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक को प्राप्त सीधी शिकायतों पर भी बोर्ड कार्यवाही कर सकता है।

शिकायत पर बोर्ड कैसे कार्रवाई करेगा

जिला पुलिस शिकायत बोर्ड उप पुलिस अधीक्षक, थाना प्रभारी तथा उससे नीचे स्तर के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर किस तरह एक्शन लेंगे इसका उल्लेख भी आदेश में किया गया है। थाना प्रभारी और पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों को जांच के लिए बोर्ड सीधे जांच एजेंसी ई.ओ.डब्ल्यू को भेज सकेगा। शिकायत यदि किसी पुलिस अधिकारी के व्यवहार से संबंधित है तो अनुशासनात्मक संबंधी कार्यवाही के लिए सक्षम प्राधिकारी को विभागीय जांच के निर्देश भी दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त जिन शिकायतों के संबंध में बोर्ड स्वयं जांच कर रहा है उन पर की जा रही कार्रवाई की नियमित समीक्षा और शिकायतकर्ता को की गई कार्यवाही के संबंध में समय-समय पर सूचना देना भी निर्देशित किया गया है।

न्यूज इन ब्रीफ

इंदौर मेट्रो की नई समय-सारणी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर मेट्रो के सभी 16 स्टेशन के परिचालन को निर्धारित समय में पूरा करने के उद्देश्य से दिन-रात परीक्षण एवं कमीशनिंग संबंधी काम किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मेट्रो परिचालन की समय में संशोधन किया जा रहा है। इससे सभी जरूरी काम तय समय में पूरे किए जा सकेंगे। बता दें कि 26 सितंबर को SC03 स्टेशन से हीरानगर स्टेशन तक टेस्टिंग/परीक्षण किया गया था। पूरी प्राथमिकता कॉरिडोर (सभी 16 स्टेशन) मालवीय नगर चौराहा मेट्रो स्टेशन तक टेस्टिंग और परीक्षण रन के लिए काम तेजी से चल रहा है। जल्द ही पूरे कॉरिडोर पर टेस्टिंग की जाएगी, उसी को देखते हुए मेट्रो के चलने के समय में संशोधन किया गया है। यह नया समय सोमवार से प्रभावी होगा। संशोधित समय-सारणी इस प्रकार है- (सोमवार से शनिवार)

- समय-दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक
- अंतराल-प्रत्येक 2 घंटे में एक ट्रेन

(रविवार)

- समय-दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक
- अंतराल-प्रत्येक 1 घंटे में एक ट्रेन

परशुराम सेना पूर्वी क्षेत्र इकाई द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर मां की आराधना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● श्री परशुराम सेना पूर्वी क्षेत्र इकाई के अध्यक्ष राजेश तिवारी द्वारा बताया गया कि परशुराम गार्डन संचार नगर एक्सटेंशन में शरद पूर्णिमा के उपलक्ष में एक दिन का गरबा एवं सभी भक्तों के लिए फिर वितरण के साथ भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी संगठन द्वारा रखी गई।श्रीमती शिखा तिवारी ने बताया कि शाम को बेस्ट ड्रेस बेस्ट कपल और बेस्ट गरबे का इनाम भी समाज के द्वारा दिया जाना है उपरोक्त अवसर पर परशुराम सेना के प्रकाश शर्मा पप्पी दीपक शर्मा ने बताया कि समाज के होने वाले इस भाव शरद पूर्णिमा की और मां का आशीर्वाद लेने के लिए क्षेत्र विधायक , क्षेत्रीय पार्षद और ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ जन मौजूद रहेंगे।

सत्य शोधक समाज का विजयादशमी पर्व पर मिलन समारोह संपन्न

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सत्य शोधक समाज के अंतराष्ट्रीय संयोजक सुनील सरदार के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश अध्यक्ष सदाशिव यादव काका के नेतृत्व में सम्राट अशोका स्थित करनावत होटल में विजयादशमी पर्व पर इन्दौर शहर के कांग्रेस नेता गजेन्द्र वर्मा के .मुख्य अतिथी में सत्य शोधक समाज का विजयादशमी मिलन समारोह आयोजित किया।इस मौके पर सत्य सोधक समाज के पदाधिकारी उपस्थित हुए । इस शुभ अवसर परजिसमें राष्ट्रीय प्रभारी हुकमचंद जादम सैनी के जन्मोत्सव पर प्रदेश संयोजक दीपक मलोरिया रानू, प्रदेश प्रभारी कैलाश चन्द्र साहु, प्रदेश उपाध्यक्ष डाक्टर सरदार सिंह, कुंवर कपिल सिंह चौहान , जिला अध्यक्ष अशोक नालियां, प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र यादव ने सिरोपा बांधकर जन्मोत्सव की बधादी।

9 अक्टूबर को कांग्रेस की रैली को सफल बनाने की अपील

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों एवं आम जनता की समस्याओं को लेकर 9 अक्टूबर गुरुवार प्रात: 11:00 बजे गांधी भवन कांग्रेस कार्यालय से कलेक्टर कार्यालय तक कांग्रेस लाओ देश बचाओ जन आक्रोश रैली में आप साथियों सहित सादर आमंत्रित है! पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक सज्जन सिंह वर्मा अश्विन जोशी, सत्यनारायण पटेल महिला कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शोभा ओझा शहर कांग्रेस के अध्यक्ष चिंटू चौकसे जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े पूर्व महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती अर्चना जायसवाल पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष कृपाशंकर शुक्ला, विनय वाकलीवाल, सुरजीत सिंह चड्ढा जिला कांग्रेस पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव, हेमंत पाल प्रदेश सेवादल अध्यक्ष योगेश यादव अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष शेख अलीम इंदौर शहर कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव अरविंद बागड़ी गोलू अग्निहोत्री, अमन बजाज, अंकित खड़ायता दीपू यादव, पिंटू जोशी, राजू भदोरिया, रीना बौरासी एवं शहर कांग्रेस के सभी वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारी सभी पंचायत के पंच सरपंच शहर एवं जिले के सभी युवा कांग्रेस एनएसयूआई सेवादल महिला कांग्रेस एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारीगण समस्त कांग्रेस जन सभी कार्यकर्ताओं एवं सभी विधानसभाओं के विधानसभा प्रत्याशीगण द्वारा कांग्रेस के सभी पार्षद एवं पार्षद प्रत्याशी सभी पूर्व पार्षद द्वारा अपील।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सीएम डॉ. मोहन यादव को लिखा पत्र, विधायक पुत्र एकलव्य पर कार्रवाई की मांग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में इंदौर के सीतलामाता बाजार में हुई हिंदू-मुस्लिम राजनीति को लेकर मामला ठंडा नहीं हुआ है। इस मामले में अब पूर्व सीएम और सांसद दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को दो पेज का पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने विधायक मालिनी गौड़ के पुत्र और हिंदरक्षक संगठन के प्रमुख एकलव्य गौड़ पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, उन्होंने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं।

सिंह ने कहा कि एकलव्य गौड़, जो बीजेपी विधायक मालिनी गौड़ एवं पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मण सिंह गौड़ का पुत्र है। उन्होंने शीतलामाता बाजार के व्यापारियों की बैठक में खुलेआम मुस्लिम कर्मचारियों को दुकानों से हटाने का फरमान जारी किया। उसके आदेश पर अब तक 200 से अधिक मुस्लिम कर्मचारी बेरोजगार हो चुके हैं। यह संविधान और कानून दोनों का खुला उल्लंघन है।

उन्होंने आगे कहा कि मप्र पुलिस बीजेपी नेताओं के दबाव में पूरी तरह पंगु हो गई है और पीड़ितों द्वारा बार-बार दिए गए ज्ञापनों पर अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। इंदौर पुलिस की यह बेबसी बताती है कि कानून पर बीजेपी का कब्जा हो चुका है और प्रशासन केवल सत्ताधारी दल की कठपुतली बनकर रह गया है। उन्होंने कहा कि जब वे शीतलामाता बाजार में पीड़ितों से मिलने पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें वहां जाने से रोक दिया। यह प्रदेश में लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन और अल्पसंख्यक समाज की आवाज दबाने का घृणित प्रयास है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सीएम मोहन यादव से तत्काल संज्ञान लेकर भारतीय दंड संहिता की धारा 152, 196, 197, 293, 299 सहित अन्य सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करने तथा दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि यदि सरकार पीड़ितों को न्याय नहीं दिलाती तो वे स्वयं उनके साथ न्यायालय की शरण लेंगे।

सिंह ने अपने पत्र में लिखा है कि - हालत यह है कि आपके गृहमंत्री होने और प्रभार वाले इंदौर जिले में भी देशभक्ति जन सेवा का नारा लगाने वाली पुलिस बेबस और लाचार है। एडिशनल डीसीपी दिनेश अग्रवाल ने उन्हें बताया था कि ज्ञापन जांच में हैं और 15 दिन में 6 अक्टूबर तक जांच कर केस करने पर फैसला लेंगे। यदि पुलिस कार्रवाई नहीं करती है तो पीड़ितों को लेकर कोर्ट जाएंगे। विधायक मालिनी गौड़ के बेटे एकलव्य गौड़ ने बाजार में बैठक कर सभी को हिदायत दी कि वह मुस्लिम कारीगरों, कर्मचारियों को बाहर करें, यह लव जिहादी हैं। इसके लिए 25 सितंबर तय तारीख थी। इसके बाद कई कर्मचारियों को बाहर कर दिया गया और किराएदारी से भी बाहर किया गया। इन्होंने राजवाड़ा पर प्रदर्शन भी किया। इसके बाद दिग्विजय सिंह ने विरोध के लिए वहां जाने का कार्यक्रम बनाया, लेकिन पुलिस ने रोक दिया और बाद में सराफा थाने में आवेदन दिया और विधायक पुत्र पर केस की मांग की। लेकिन इस दौरान कांग्रेस के नेताओं ने ही दिग्गी से दूरी बना ली। वहीं एक दिन पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा के साथ प्रतिनिधिमंडल ने संभागायुक्त से मुलाकात की और विधायक पुत्र पर केस की मांग की। उधर पुलिस का कहना है कि ऐसा कुछ नहीं हुआ है और ना ही हमारे पास कोई शिकायत आई है। वहीं सीतलामाता बाजार में हिंदू संगठन द्वारा विरोध प्रदर्शन कर दिग्विजय सिंह को मुल्ला/मौलाना कहते हुए पोस्टर जलाए गए, उनके खिलाफ नारेबाजी हुई, वहीं नाथूराम गोडसे जिंदाबाद के नारे भी लगे।

देपालपुर में वाहनों से लगने वाले जाम की समस्या से निपटने के लिए मैदान में उतरे विधायक

विधायक मनोज पटेल की मौजूदगी में मंदिर परिसर की दीवार टूटी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर ● शहर में रोजाना बेटमा नाक से गौतमपुरा नाका तक वाहनों का लंबा जाम लगना आम समस्या बन चुका था, खासकर मंगलेश्वर मंदिर के समीप जहां मंदिर परिसर की दीवार की वजह से वाहनों का निकलना सिर्फ एक-एक करके संभव था।

इस जाम को देखते हुए क्षेत्रीय विधायक मनोज पटेल की मौजूदगी में मंगलेश्वर मंदिर परिसर की दीवार तोड़ दी गई है।इस कार्रवाई में नगर परिषद अधिकारी, जनप्रतिनिधि, देपालपुर पुलिस बल और विशेष रूप से स्छहक्क संघप्रिय सम्राट, थाना प्रभारी रणजीत सिंह बघेल, नगर परिषद अधिकारी बहादुर सिंह रघुवंशी एवं नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि महेशपुरी गोस्वामी समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

विधायक मनोज पटेल ने बताया कि इस दीवार के टूटने से नगर में वाहनों का आवागमन अब सुगमता से होगा और रोजाना लगने वाला जाम कुछ हद तक निजात मिलेगी। उनको

उम्मीद है कि इससे न केवल नागरिकों की सुविधा बढ़ेगी बल्कि देपालपुर की यातायात व्यवस्था में भी सुधार होगा।

तीन इमली के गड्ढे भरकर शुरू किया पेचवर्क

इंदौर ● नगर निगम द्वारा कल पानी नहीं आने के कारण तीन इमली क्षेत्र में गड्ढे भरकर पेचवर्क के कार्य की शुरुआत की गई है। नगर निगम की पांच टीम आज शाम से गड्ढा भरो अभियान चलाने के लिए शहर में निकलेगी। कभी निगम की तैयारी नहीं होने और कभी पानी आ जाने के कारण शहर की गड्ढेदार सडक़ों के गड्ढे नहीं भरे जा रहे थे। शुक्रवार के दिन तो निगम द्वारा गड्ढा भरो अभियान शुरू करने की तैयारी कर ली गई थी। इसी बीच बारिश शुरू हो गई और फिर देखते ही देखते 4 इंच से ज्यादा पानी आ गया, जिसके चलते हुए इस अभियान को शुरू होने से पहले ही निरस्त करना पड़ा। कल शनिवार के दिन नगर निगम के अधिकारियों की नजर आसमान पर ही लगी हुई थी। इस बात का इंतजार किया जा रहा था कि कहीं मौसम करवट तो नहीं बदल रहा है और पानी फिर से शुरू तो नहीं हो जाएगा।

मेंटल हेल्थ पर अपनी इमेजिनेशन क्रिएट कर कागज पर उकेरी कलाकृतियां

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● क्रिएट स्टोरीज सोशल वेलफेयर सोसाइटी और आर्ट वे गैलरी के तत्वावधान में द इमेजिनेशन स्टेशन पर एक अनूठी कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता की प्रेरणादायक थीम थी %मेंटल हेल्थ% (मानसिक स्वास्थ्य)। कलाकारों ने अपनी भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्ति देने के लिए वॉटर कलर शीट को माध्यम बनाया । सभी प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाओं को कला के रंगों के माध्यम से कैनवस पर उकेरा, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया गया । समापन सोशल जस्टिस डिपार्टमेंट के शैलेन्द्र सोलंकी ने किया। आयोजक दीपक शर्मा ने बताया इस आयोजन का उद्देश्य कला के रचनात्मक माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना था । प्रतियोगिता में युवा से लेकर अनुभवी कलाकारों ने भाग लिया और अपने मौलिक विचारों से सभी को प्रभावित किया। यह प्रतियोगिता दो कैटिगरी में आयोजित हुई।

इंदौर एयरपोर्ट पर कम हुई यात्रियों की संख्या

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के विमानन उद्योग के लिए सितंबर का महीना बेहद निराशाजनक साबित हुआ है। इस महीने में न केवल यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई, बल्कि उड़ानों की संख्या भी काफी कम हो गई। एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2025 इंदौर के लिए इस साल का सबसे कम यात्री और उड़ानों वाला महीना बन गया है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि ठंड का मौसम आते ही फिर से पर्यटन बढ़ेगा और यात्रियों की संख्या में इजाफा देखा जाएगा। इस कारण कम हुई यात्रियों की संख्या-1. जुलाई में स्कूल-कॉलेज खुलने के बाद यात्री संख्या कम हुई। 2. अगस्त और सितंबर में कई शहरों के लिए उड़ानें बंद होने का प्रभाव पड़ा। 3. देश के कई हिस्सों में भारी बारिश ने भी यात्रियों की संख्या को प्रभावित किया। सितंबर माह में इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से कुल 2,393 उड़ानों का संचालन हुआ, जिनमें 3 लाख 35 हजार 933 यात्रियों ने सफर किया। इसकी तुलना में, अगस्त महीने में 2,500 उड़ानें संचालित हुई थीं और 3 लाख 61 हजार 30 यात्रियों ने यात्रा की थी। इस प्रकार, केवल एक महीने में 107 उड़ानें और 25,097 यात्री कम हो गए। प्रतिशत के हिसाब से देखें तो यात्रियों की संख्या में 7% और उड़ानों की संख्या में 4.3% की गिरावट आई है।

सेवा पर्व के दौरान 1500 उपभोक्ताओं ने अपनाया सौर ऊर्जा को

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शासन द्वारा चलाए जा रहे सेवा पर्व के दौरान पश्चिम मप्र में हजारों उपभोक्ता पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जुड़े हैं। एक पखवाड़े के दौरान मालवा निमाड़ में 1500 उपभोक्ताओं ने अपने यहां रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाए हैं। अब तक 42 हजार 500स्थानों पर सोलर रूफ टॉप संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। पिछले वर्ष से लागू पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत मालवा निमाड़ में 24 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं को रूफ टॉप सोलर लगाने पर 180 करोड़ की सब्सिडी प्रदान की जा चुकी हैं। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने पर्यावरण हित, बिल में बचत और स्वयं के उपयोग की बिजली खुद तैयार करने की भावना के साथ हो रहे प्रेरक कार्य करने वाले उपभोक्ताओं को बधाई दी हैं। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत जारी सेवा पर्व में 15 जिलों में अभियान चलाकर व्यापक प्रचार प्रसार कर हजारों नए उपभोक्ताओं को रूफ टॉप सोलर से जोड़ा गया हैं। श्री सिंह ने बताया कि सेवा पर्व में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की व्यापक रूप से जनप्रतिनिधियों को भी जानकारी दी गई। साथ ही वाहनों के माध्यम से दृश्य, श्रव्य प्रचार भी किया गया, ताकि योजना के लाभ एवं विशेषताओं को जन-जन तक व अंतिम छोर तक पहुंचाया जा सके। प्रबंध निदेशक ने बताया सितंबर अंतिम सप्ताह तक मालवा निमाड़ में रूफ टॉप सोलर से जुड़ने वालों की कुल संख्या 42 हजार पार कर गई। कंपनी की कुल रूफ टॉप सोलर नेट मीटर क्षमता अब 300 मैगावाट से ज्यादा हो गई है। कंपनी क्षेत्र में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से संबद्ध उपभोक्ता 24 हजार से ज्यादा है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में प्रति उपभोक्ता 78 हजार तक सब्सिडी दी जाती है, अब तक 180 करोड़ रूपए से ज्यादा की सब्सिडी दी जा चुकी है।

देपालपुर नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पथ संचलन निकला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर ● नगर में नगर इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ शताब्दी वर्ष पर विशाल पथ संचलन निकाल गया इस पथ संचलन के पूर्व नगर की शांति विहार कॉलोनी स्थित संघ स्थान पर स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण हुआ जहां संचलन के पूर्व मंच पर वक्ता अतिथि के रूप में मालवा प्रांत धर्म जागरण सहसंयोजक ललित जी कोठारी जी एवं मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध 24 अवतार मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित राजेश जी शास्त्री मौजूद रहे।

मंच से मुख्य वक्ता ललित जी कोठारी ने अपने उद्बोधन में संघ शताब्दी वर्ष पर विस्तृत से जानकारी दी साथ ही उन्होने याची देही याची डोळा का जिक्र करते हुए कहा कि डॉ हेडगेवार जी ने कल्पना की थी कि वे अपनी आंखों से संघ को विस्तृत रूप मे देखना चाहते थे अपनी वे संघ को पूर्ण रूप से हर परिवार तक देखना चाहते थे। उन्होंने कहा कि डॉक्टर जी ने संघ के स्वयंसेवकों के बीच समर्पण का भाव उत्पन्न किया और यही कारण है कि संघ स्वयंसेवक समाज के लिए तन मन त्याग कर देता है। उन्होंने कहा कि संघ की

शुरुआत से लेकर अब तक के संघर्ष की कल्पना करेंगे तो कई कठिनाइयां देखने को मिलेगी लेकिन आज संघ का स्वयंसेवक ओर समाज बड़े ही गर्व से संघ शताब्दी वर्ष मना रहा है। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद पंडित राजेश जी शास्त्री ने अपने उद्बोधन मे उन्होंने धर्म और वनस्पतियों पर धर्म और धर्म के साथ वन और वनस्पति भी हम और हमारे समाज के लिए महत्वपूर्ण और लाभदाई है यह बात कही। संचलन के पूर्व संघ स्थान पर अमृत वचन , एकल गीत हुआ। नगर में निकले संचालन में 8 वाहिनियां रही। नगर में जगह जगह बड़ी संख्या में समाज ने स्वागत किया।

सोयाबीन खरीदी की भावांतर योजना पर भड़का किसान संघ बोले फ्लॉप होगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सोयाबीन खरीदी के लिए भावांतर योजना लागू करने के पीछे सीएम मोहन यादव की मंशा है कि किसानों को किसी भी तरह का आर्थिक नुकसान नहीं हो। साथ ही उन्हें उनकी उपज का सही मूल्य मिल सके। लेकिन मंडियों में होने वाले खेल और साल 2017-18 की भावांतर योजना के अनुभव के चलते भारतीय किसान संघ इस योजना से भड़का हुआ है। सभी की बात सुनने के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा ने शनिवार को व्यापारी, मंडी पदाधिकारियों, किसान संघ पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में किसान संघ के प्रातांध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पटेल, संभागाध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह राठौर, नगराध्यक्ष दिलीप मुकाती व अन्य पदाधिकारी थे। इसमें उन्होने साफ कहा कि भावांतर योजना

फ्लाप है। इसमें कई समस्याएं है, यदि यह ठीक हो सकती है तो ही इसका मतलब है। हम तो सीधे घोषित एमएसपी 5328 रुपए प्रति क्विंटल चाहते हैं।

पंजीयन के साथ खरीदी क्यों नहीं-पंजीयन 3 अक्टूबर से शुरू हुआ है, वहीं खरीदी 24 अक्टूबर से होगी। संघ का कहना है कि जब पंजीयन शुरू हो गया है तो तत्काल योजना भी लागू कर दी जाए और योजना में पंजीयन करा चुके किसानों को अभी से योजना का लाभ दिया जाए। जब 24 अक्टूबर से लागू करेंगे तब तक तो अधिकांश छोटे, मध्यम किसान माल बेच चुके होंगे। वह तो बाहर हो चुके होंगे। इंदौर में उम्मीद की जा रही है कि 80 हजार से 1 लाख तक किसान पंजीयन होंगे। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि योजना लागू होने से पहले ही 30-40 हजार तो किसान माल बेच चुके होंगे।

मॉडल रेट का क्या होगा-उधर कहा गया है कि 24 अक्टूबर से पहले 15 दिन तक मंडियों में बिकी सोयाबीन के रेट का औसत निकालकर मॉडल रेट माना जाएगा और फिर किसान का सोयाबीन भले ही मॉडल रेट से कम पर बिका हो, उसे मॉडल रेट और एमएसपी मूल्य के बीच का अंतर का ही भुगतान किया जाएगा। इस पर भी संघ को आपत्ति है कि मॉडल रेट तय करते समय मंडियों में दाम बढ़ाए जाते हैं और मॉडल रेट तय करने का फार्मूला भी ट्रांसपेरेंट नहीं होता है। ऐसे में मॉडल रेट अधिक तय किया जाता है। पदाधिकारियों ने कहा कि अभी बैठक में ही मंडी पदाधिकारी 4500 का भाव का उदाहरण दे रहे हैं, जबकि अभी सोयाबनी 3700-4000 रुपए बिक रही है। यानी मॉडल रेट 3700-3800 होना चाहिए, लेकिन इसे जानबूझकर अधिक तय कराया जाएगा, जिससे किसानों को नुकसान होगा। दूसरा मॉडल रेट कब-कब रिवाइज्ड होगा क्या यही हमेशा रहेगा यह साफ नहीं। जबकि इसे लगातार रिवाइज्ड होना चाहिए।

माल के भाव बाद में गिरते हैं-इंदौर किसान संघ ने यह भी कहा कि 24 अक्टूबर से जब योजना में खरीदी होगी तो माल एकदम से मंडी में आएगा, इससे भले ही मॉडल रेट 4000-4500 रुपए जो भी तय होंगे. लेकिन इसके नीचे ही खरीदी होगी और किसानों को जमकर घाटा होगा क्योंकि सरकार तो केवल मॉडल रेट और एमएसपी के बीच का अंतर ही भुगतान करेगा। कार्टेल सक्रिय होता है और माल के भाव तेजी से गिरते हैं। यह अनुभव साल 2018 के भावांतर योजना के दौरान भी रहा था और मंडियों में बाद में मॉडल रेट से काफी नीचे माल गया और आखिरकार सरकार ने 500 रुपए देना ही तय किया और सारे फार्मूले धरे रह गए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 06 अक्टूबर 2025

महाकाल मंदिर में क्यूआर कोड से मिलेगा प्रसाद

श्रद्धालु अब ऑनलाइन भुगतान कर खरीद सकेंगे बेसन के लड्डू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में अब श्रद्धालु क्यूआर कोड के माध्यम से प्रसाद खरीद सकेंगे। मंदिर प्रशासन ने प्रसाद काउंटरों पर ऑनलाइन भुगतान की सुविधा शुरू करने की तैयारी की है। वर्तमान में भक्तों को प्रसाद खरीदने के लिए केवल नकद भुगतान करना पड़ता है।

मंदिर समिति द्वारा भगवान महाकाल के भोग के रूप में बेसन के लड्डू प्रसाद उपलब्ध कराए जाते हैं। अभी तक जिन श्रद्धालुओं के पास नकद राशि नहीं होती थी, उन्हें या तो नकद लेकर आना पड़ता था या बिना प्रसाद के लौटना पड़ता था। नई व्यवस्था से यह समस्या दूर हो जाएगी। मंदिर समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि जल्द ही लड्डू प्रसाद काउंटरों पर क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। इससे भक्त ऑनलाइन भुगतान कर प्रसाद प्राप्त कर सकेंगे।इसके अलावा, मंदिर में लगे दान काउंटरों पर भी क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन दान लेने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। श्री महाकालेश्वर मंदिर का शुद्ध घी और ड्राईफ्रूट्स से बना बेसन का लड्डू प्रसाद देशभर में प्रसिद्ध है। यह प्रसाद 400 रुपए प्रति किलो की दर से उपलब्ध है और त्योहारों पर अतिरिक्त काउंटर लगाए जाते हैं।

केशलोच कर आत्मा की शुद्धि, वैराग्य और त्याग के मार्ग पर चलें तपस्वी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● 100 से अधिक संतों की मौजूदगी में तपस्वियों ने अपने सिर से एक-एक बाल नोंच-नोंच कर इस तरह अलग कर दिए, मानो केशलोच कर जीवन की नश्वरता का बोध करा रहे हो। आत्मा की शुद्धि, वैराग्य और त्याग को अंगीकार कर इन दीक्षार्थियों ने संयम जीवन में प्रवेश किया। धर्म की प्रभावना से अंगीकार होते हुए आज 10 युवतियों ने भी वैराग्य का व्रत धारण किया। मंगल जयघोष के साथ प्रभातफेरी निकली, जिसमें महिलाओं ने सिर पर कलश उठाकर मंगल गीत गाए व पुरुषों ने जिन शासन के जयघोष लगाए।

विनम्र सागर महाराज और अन्य अनेक मुनिश्री एवं आचार्यश्री के सान्निध्य में विजयनगर स्थित आईडीए ग्राउंड में अलग ही छटा बिखरी हुई थी। हर धर्मप्रेमी में वैराग्य के पद पर चलने वाले वैरागियों के लिए स्नेह और सम्मान झलक रहा था। दिगंबर जैन समाज द्वारा आयोजित जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव में एक साथ कई दीक्षार्थियों का संयम जीवन में प्रवेश हो रहा है। दीक्षा महोत्सव के आयोजक राहुल जैन केसरी ने बताया कि इस दिव्य आयोजन में ब्रह्मचारी अनिल बांसवाड़ा, ऐलक विनमित सागर, नितिन जैन सहित अनेक साधक दीक्षा लेकर मोहमाया से मुक्त संयम मार्ग पर अग्रसर होंगे, साथ ही सात महिला दीक्षार्थी आस्था जैन, मनीषा जैन, मीरा जैन, सोनम जैन, नेहा जैन, ज्योति जैन व अंशु जैन भी इस दिन वैराग्य का व्रत धारण करेंगी।

शरद पूर्णिमा : दमा , शुगर ओर ब्लड प्रेशर के लिए निशुल्क औषधि युक्त खीर का वितरण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बर्फानी दादाजी के आश्रम में औषधि युक्त खीर का वितरण तीन दशक पहले बर्फानी धाम आश्रम पर शुरू हुआ था, प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महामंडलेश्वर भरत दास महाराज के सानिध्य में शरद पूर्णिमा के अवसर पर निशुल्क औषधि युक्त खीर का वितरण किया जाएगा, इसके लिए सैकड़ो भक्ति अपना अपना दायित्व निभाएंगे। पूर्वी क्षेत्र स्थित बर्फानी धाम आश्रम हमेशा से गुजरने वालों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है इस आश्रम का दक्षिण भारतीय पद्धति में बना प्रवेश द्वार सबका मन अपनी ओर आकर्षित करता है। अधिष्ठाता महामंडलेश्वर भरत दास जी महाराज ने बताया कि 6 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के अवसर पर मध्य रात्रि में औषधि युक्त खीर का वितरण निशुल्क किया जाएगा, इस अवसर पर उत्तराखंड और हिमाचल दुर्गम पहाड़ियों से लायी औषधीय की दमा, शुगर, और ब्लड प्रेशर के लिए अलग-अलग औषधि युक्त खीर का वितरण किया जाता है।

विधायक का दावा- जीतू पटवारी और उमंग सिंघार को 2026 में हटा देंगे, दिग्विजय ने कांग्रेस को बर्बाद कर दिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के शीतला माता बाजार विवाद ने अब सियासी तूल पकड़ लिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के बाजार दौरे पर भाजपा ने तीखा हमला बोला है। भोपाल के हुजूर से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने दिग्विजय सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि वो इंदौर में हिंदू-मुस्लिम झगड़ा कराने और सांप्रदायिक तनाव भड़काने पहुंचे थे, लेकिन कांग्रेस के ही नेताओं ने उन्हें फटकार लगा दी।

भाजपा का वार-कांग्रेस का पलटवार

रामेश्वर शर्मा ने रविवार को कहा कि 'दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस को बर्बाद कर दिया है।

आने वाले समय में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को भी पद से हटा दिया जाएगा। कांग्रेस में कोई भी दिग्विजय सिंह का वार नहीं झेल पाता। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'जिला अध्यक्ष से डांट खाने के बाद भी दिग्विजय सिंह को शर्म नहीं आई। मंदिरों और सनातन के खिलाफ बोलना उनकी आदत बन चुकी है। कांग्रेस में उनकी फजीहत होती रहेगी।'

क्या है शीतला माता बाजार विवाद

इंदौर के शीतला माता बाजार में प्रशासन द्वारा मुस्लिम दुकानदारों को हटाने की कार्रवाई की जा रही थी। इसी का विरोध करने दिग्विजय सिंह अचानक मौके पर पहुंच गए। लेकिन उनके पहुंचने पर इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सिंह बिना पूर्व सूचना या संगठन की सहमति के वहां पहुंचे। बीजेपी ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के भीतर ही अनुशासन और समन्वय की कमी है।

भोपाल की ताल के चौपाल से

साउथ लॉबी का भौकाल, कैंटीन चलाने की कवायद और मंत्रीजी को सोशल मीडिया कंपनी की तलाश

इस सप्ताह भी मध्यप्रदेश की सत्ता के गलियारे से कई चटखारे वाली खबरें हैं। बोल हरि बोल में वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर से जानिए कहां, क्या चल रहा हैῒ मध्यप्रदेश में इन दिनों राजनीति के गलियारों में कई दिलचस्प घटनाएँ हो रही हैं। जहां बड़े नेता अपनी राजनीति को सुरक्षित करने के लिए देवी की शरण में गए हैं, वहीं साउथ लॉबी के आईपीएस अफसरों की सक्रियता बढ़ी हुई देखने को मिल रही है। इसके साथ ही कांग्रेस के भोपाल मुख्यालय में कैंटीन की स्थिति भी खराब देखने को मिल रही है। ऐसे में आप तो सीधे नीचे उतर आइए और वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम बोल हरि बोल के रोचक किस्सों का आनंद लीजिए।

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

कामख्या देवी पर बड़ी पूजा

राजनीतिक गलियारों में बड़ी चर्चा है कि एक बड़े राजनेता ने कामख्या देवी पर बड़ी पूजा करवाई है। दरअसल दिसंबर के बाद प्रदेश में तेजी से राजनीतिक घटनाक्रम बदलने के संकेत हैं। ऐसे में बड़े नेताजी देवी मां की शरण में जा पहुंचे हैं। बताते हैं कि यहां पर यज्ञ पूजा करवाने से शत्रुओं का नाश होता है और सत्ता में बने रहने का आशीर्वाद भी मिलता है। बहरहाल इसके पहले भी प्रदेश के कुछ नेता लगातार कामाख्या देवी की पूजा- अर्चना और हवन करवाते रहे हैं। इनमें से दो ग्वालियर चंबल के नेता भी शामिल हैं। इनका राजनीति में चरचराटा भी खूब रहा, फिर पता नहीं क्या हुआ देवी नाराज हो गईं, उसके बाद से दोनों नेताओं की रा?जनीति ही हाशिए पर आ गई।

आईपीएस में साउथ लॉबी फिर हो रही तैयार

लंबे समय बाद फिर से साउथ के आईपीएस अफसरों को अपना आका मिल गया है। बताते हैं कि साउथ लॉबी को प्रमोट करने वाले खाकी वाले साहब खुलकर मैदान में आ गए हैं। ये साहब महत्वपूर्ण पद पर हैं और सूबे के मुखिया के करीबी भी। ऐसे में वे मौका मिलते ही साउथ के अफसरों को मेन स्ट्रीम में लाने में देरी नहीं करते। आपको बता दें कि पुलिस मुख्यालय में एक समय में साउथ लॉबी का भारी दबदबा था, लेकिन उसके बाद बिहार की मैडम ने बिहारी लॉबी को मजबूती देकर सा?उथ लॉबी को कमजोर कर दिया था। इसके बाद लंबे समय तक पुलिस मुख्यालय के अहम पदों पर लाला लॉबी का दबदबा रहा। अब एक बार फिर साउथ लॉबी सक्रिय होने लगी है।

साहब का कमाल

प्रमोटी आईएएस ने सीधे मैनपॉवर हायर करने का रास्ता खोज लिया है। दरअसल अभी मैनपॉवर सेडमैप संस्था के माध्यम से हायर करना होता है। साहब ने सीधे तीन कंपनियों से कोटेशन बुलवाकर अपने ही लेवल पर मैन पॉवर हायर कर लिया। साहब का कहना है कि सरकार के पर्चेज रूल में साफ लिखा है कि 5 लाख से कम की खरीदी और सर्विस के लिए तीन कंपनियों से कोटेशन लेकर सेवाएं ली जा सकती हैं। मजे की बात ये है कि पर्चेज रुल में तो ये बात सालों से लिखी है, लेकिन इसका उपयोग करके साहब ने दूसरों के लिए रास्ता खोल दिया है।

7वें मददगार की तलाश

इमेज चमकवाने के तलबगार मंत्रीजी को ढंग की सोशल मीडिया कंपनी नहीं मिल पा रही। इधर भाई साहब किसी को जिम्मेदारी दिलवाते हैं, उधर सलाहकार मीन- मेख निकालकर कंपनी को चलता करवा देते हैं। ऐसे एक- एक करके छह कंपनियां विदा हो गई हैं। अब भाई साहब को उम्मीद है सातवां नंबर लकी साबित होगा! बस कोशिश है कि हर्र लगे न फिटकरी, इसीलिए कोशिश है कि विभाग के स्तर पर ही बड़ा टैंडर हो जाए, मरर मंशा ही पूरी नहीं हो पा रहीῒ

इस लग्जरी रूम में क्यों नहीं बैठते अफसर

लोकायुक्त संगठन के कार्यालय में एक लग्जरी रूम हैं, लेकिन इसमें बैठने को कोई तैयार ही नहीं होता। लोगों का ऐसा मानना है कि जो इस कमरे में बैठा उसकी रवानगी तय हो जाती है। एक नहीं, कई तबादले जल्द होने से लोगों की धारणा प्रबल हो गई कि यदि लोकायुक्त संगठन में टिकना है तो इस कमरे में तो भूलकर भी नहीं बैठना। उसके बाद से इस कमरे में ताला लगा दिया गया।

कैंटीन ही नहीं चल रही तो पार्टी कैसे चलेगी

कांग्रेस के भोपाल मुख्यालय में कैंटीन को बार-बार खोलने का प्रयास किया जाता है, लेकिन चंद दिनों में ही कैंटीन संचालक बंद करके भाग लेता है। दरअसल कांग्रेस दफ्तर में आने- जाने वालों की भीड़ अब नदारद रहती है। ऐसे में कैंटीन संचालक का खुद का खर्चा- पानी पूरा नहीं हो पाता। इसके अलावा कांग्रेस कार्यालय में आने वाले कार्यकर्ता कैंटीन से ज्यादा कार्यालय के बाहर खड़े ठेले की चाय पीना पसंद करते हैं। ऐसे में कांग्रेस के असंतुष्ट नेता हंसी- मजाक में कहने लगे हैं कि हमारे पार्टी मुख्यालय की कैंटीन ही ठीक से नहीं चल पा रही है तो पार्टी कैसे चलेगी?

प्राधिकरण की सम्पत्तियां बाजार की प्रचलित दरों से अधिक कीमत पर टेंडर के जरिए बिकती

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● हाउसिंग बोर्ड की इंदौर सहित मध्यप्रदेश में पिछले कई सालों से अनबिकी सम्पत्तियां पड़ी है, जिनमें भूखंडों के साथ-साथ फ्लेट, विभिन्न श्रेणियों के मकान, दुकानें और अन्य सम्पत्तियां शामिल हैं। लगभग 700 करोड़ रुपए मूल्य की इन सम्पत्तियों को अब बोर्ड मेले लगाकर बेचेगा। वहीं नोटरी की बजाय अब ई-नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। इंदौर में ही एमआईजी क्षेत्र में बनी बहुमंजिला बिल्डिंग में ही कुछ फ्लेट खाली हैं, तो भंडारी ब्रिज के पास स्नेहलतागंज में भी फ्लेट-दुकानों की बिक्री की जाना है।

इंदौर में जहां प्राधिकरण की सम्पत्तियां बाजार की प्रचलित दरों से अधिक कीमत पर टेंडर के जरिए बिकती है, वहीं दूसरी तरफ हाउसिंग बोर्ड की सम्पत्तियों को खरीदने वालों की कमी नजर आती है। वैसे भी विगत कई वर्षों से हाउसिंग बोर्ड इंदौर जैसे व्यवसायिक और रियल इस्टेट के गढ़ में ही ना तो कोई आवासीय प्रोजेक्ट योजना के चलते ला पाया और ना ही बेहतर टाउनशिप या हाईराइज बिल्डिंगें निर्मित कर सका। प्राधिकरण के अलावा निजी बिल्डर और कॉलोनाइजर ही सक्रिय हैं। हाउसिंग बोर्ड ने सालों पहले खजराना जागीर और पालाखेड़ी में योजनाएं घोषित की थी। मगर उनके क्रियान्वयन में भी वह फिसड्डी रहा और अभी तक कोर्ट-कचहरी में ही उलझा हुआ है।

मप्र में 76 दवाओं का स्टॉक अमानक, इंजेक्शन और ओआरएस में भी मिले दूषित तत्व

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में पिछले आठ महीनों में निर्मित 76 दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। इनमें पैरासिटामोल की गोलियां, विभिन्न प्रकार के इंजेक्शन, ओआरएस, आंखों में डालने वाला ऑइंटमेंट, विटामिन और कैल्शियम की गोलियां, साथ ही फेसवॉश जैसी दवाइयां भी शामिल हैं। यह रिपोर्ट केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने जारी की है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि इन दवाओं की गुणवत्ता राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई।

कौन-कौन से शहरों की कंपनियों की दवाएं अमानक

CDSCO की जांच में यह भी सामने आया है कि इंदौर, पीथमपुर, देवास, उज्जैन, भोपाल, रतलाम और ग्वालियर की दवा कंपनियों द्वारा निर्मित दवाएं सूची में शामिल हुई हैं। यह दर्शाता है कि केवल बड़े शहरों की ही नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के कई औद्योगिक केंद्रों में दवा निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठते हैं।

27 कंपनियों की 76 दवाएं फेल

जनवरी से अगस्त 2025 के बीच CDSCO ने समय-समय पर देशभर से दवाओं के सैंपल लेकर जांच की। जांच के दौरान कुल 27 कंपनियों की 76 दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरी। इस दौरान सबसे ज्यादा ध्यान इंदौर स्थित राऊ में स्थित समकेम कंपनी पर गया, जहां की 19 दवाएं अमानक पाई गईं। वहीं, सांवेर रोड की सिंडिकेट फार्मा की आठ दवाएं भी NSQ सूची में शामिल हुईं। मल्टीनेशनल कंपनी सिप्ला के रतलाम प्लांट की एक दवा भी

अमानक मिली।

इंजेक्शन और गोलियों में खामियां

जांच में यह भी सामने आया कि मध्यप्रदेश की कुछ कंपनियों द्वारा निर्मित इंजेक्शन वायल में कचरा मिला। इसके अलावा, गोलियों के घुलने का समय भी मानक के अनुरूप नहीं था। उदाहरण के लिए, पैरासिटामोल की गोलियां, जिन्हें 3-4 मिनट में घुल जाना चाहिए था, वे 7-8 मिनट में घुलीं। विटामिन-बी की गोलियों की स्ट्रीप इतनी नरम थी कि गोलियां पाउडर के रूप में निकल रही थीं। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि कुछ कंपनियों में दवा निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर ध्यान नहीं दिया जा रहा।

गुणवत्ता और स्वास्थ्य के लिए खतरा

इन अमानक दवाओं के बाजार में आने से न केवल मरीजों का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, बल्कि दवा निर्माण और निगरानी के मानकों पर भी सवाल उठते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि दवा कंपनियों को कड़ाई से गुणवत्ता नियंत्रण अपनाना चाहिए और राज्य

अंतरराष्ट्रीय, योग कॉन्फेंस 2025 कार्यालय शुभारंभ कॉर्पोरेट कर्मियों को आज योग विधा की दरकार है

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● समर्पण, संकल्प, सेवा, सहयोग के भावो का उल्लेख हमारी संस्कृति के योग ग्रंथो में हज़ारों वर्षों पूर्व किया गया था, जिसे मेनेजमेंट के नाम से कॉर्पोरेट जगत द्वारा फैलाया जा रहा है, जबकि कॉर्पोरेट कर्मचारियों को फिर से योग की महती आवश्यकता है द्य ऐसे में अंतरराष्ट्रीय योग आयोजन मानव सेवा का रूप ही कहा जा सकता है उक्त उद्गार ह्ढ्ढष्ट्ड्ड के स्न्ठ और श्री गुरुजी सेवा न्यास के अध्यक्ष मुकेश हजेला ने हरि ओम योग केंद्र चेरिटेबल ट्रस्ट इंदौर द्वारा 8, 9 नवंबर को आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग कॉन्फेंस के कार्यालय शुभारंभ में कहीं। कॉन्फेंसमें योग सन्दर्भित विद्वान, देश विदेश की सभी यूनिवर्सिटी के योग विभाग के छात्र, योग साधक ऐसे 1000 से प्रतिभागी शामिल होंगे।

योग संकल्प 2025 स्मारिका के मुख्य पृष्ठ का विमोचन भी किया गया विशेष अतिथि डॉ सुमन कोचर, डॉ निशा जोशी, निकिता रसेला, चन्द्रशेखर आजाद, दक्षदेव गौड़, डॉ अंतिम जैन, राजकुमार जैन, डॉ यशवन्त भाटी, रमेश मौर्य, विजय सिंह थे। अतिथियों का स्वागत आयोजन अध्यक्ष अश्विनी वर्मा ने किया, संचालन डॉ संजय लौंढे ने किया।

इंदौर के बाद अब बुरहानपुर के बालाजी मेले में मुसलमानों की एंट्री बैन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

बुरहानपुर ● इंदौर के शीतला माता कपड़ा बाजार में मुस्लिम समाज के कर्मचारियों को हटाया गया। इसके बाद इंदौर में ही एक धार्मिक मेले में मुस्लिम समाज के दुकानदारों, झूला संचालकों को अपनी दुकानें व झूले हटाने को कहा गया। अब ठीक उसी तरह का मामला बुरहानपुर में भी सामने आया है।

जिस तरह इंदौर के शीतला माता कपड़ा बाजार में मुस्लिम समाज के कर्मचारियों को हटाया गया। इसके बाद इंदौर में ही एक धार्मिक मेले में मुस्लिम समाज के दुकानदारों, झूला संचालकों को अपनी दुकानें व झूले हटाने को कहा गया। अब ठीक उसी तरह का मामला बुरहानपुर में भी सामने आया है। यहां सालों से दुकान लगा रहे बुजुर्ग व्यापारी अख्तर भाई ने बताया कि शुक्रवार देर रात कुछ युवा आए जो खूद को हिंदू संगठन का कार्यकर्ता बता रहे थे। उन्होंने सभी मुस्लिम व्यापारियों से अपनी-अपनी दुकानें हटाने को कहा। इसके बाद सभी व्यापारी बालाजी मंदिर के पुजारी चंद्रकांत बालाजी वाले के पास गए। इस दौरान पुजारी ने कहा मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता। आप अपनी दुकानें अपने रिस्क पर लगाएं। लिहाजा, सभी व्यापारियों ने एक मत हो कर अपनी-अपनी दुकानें हटाने का फैसला किया। हालांकि, इन लोगों ने इस घटना की प्रशासन से शिकायत नहीं की है।

सम्पादकीय

रेपो दर वही, लेकिन खर्च और निवेश की रणनीति बदलने की जरूरत, आर्थिक संतुलन को बनाए रखना होगा

केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों को लेकर जो फैसले लिए जाते हैं, उसके तहत अगर इसमें कमी की जाती है, तो उसे मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता है। ऋण का सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर निर्भर करता है। देश में केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों के संबंध में जो फैसला लिया जाता है, उसका असर मुख्यत: बाजार में ऋण चुकाने के लिए मासिक किस्तों पर किसी वस्तु की खरीदारी से लेकर जमीन-जायदाद के कारोबार पर भी पड़ता है। इसलिए जब भी रेपो दरों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होती है, तब इसे लेकर आम लोगों के बीच उत्सुकता रहती है। हालांकि ज्यादातर साधारण लोगों को अर्थव्यवस्था के जटिल नियम-कायदों से बहुत वास्ता नहीं होता और वे ऐसे फैसलों के अमल के बाद बनने वाली स्थितियों पर निर्भर रहते हैं कि उनकी जेब ढीली होगी या उन्हें राहत मिलेगी। गौरतलब है कि बुधवार को मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की गई कि इस बार भी नीतिगत दरों में में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी बीते अगस्त की तरह अक्तूबर में ब्याज दर को 5.5 फीसद पर ही यथावत रखा गया है। कहा जा सकता है कि त्योहारों के इस मौसम में अगर लोगों को अतिरिक्त राहत नहीं मिली है, तो कोई बड़ा झटका भी नहीं लगा है। हालांकि पिछले कुछ समय से भारत सहित दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह की अनिश्चितता बनी हुई है, उसमें आम लोगों का आशंकित होना स्वाभाविक है। दरअसल, अमेरिका की ओर से शुल्क लगाए जाने की नीति पर कदम बढ़ाने के बाद भारत सरकार ने आंतरिक मोर्चे पर अर्थव्यवस्था को संभालने और आम लोगों को राहत देने के लिए जिस तरह माल एवं सेवा कर के ढांचे में बदलाव करने सहित कुछ अन्य कदम उठाए, उसमें रेपो दरों को लेकर भी लोगों के बीच यह उम्मीद बंधी थी कि इसमें भी कोई राहत का संदेश आएगा। मगर केंद्रीय बैंक की ओर से इसे यथावत रखने की घोषणा के बाद अब संभव है कि लोगों को अपने आर्थिक मामलों में थोड़ा संतुलन का ध्यान रखना होगा।

इससे पहले इस वर्ष रेपो दरों में तीन बार कटौती के साथ इसमें सौ आधार अंकों की कमी की जा चुकी है। जाहिर है, यह न केवल देश के भीतर आर्थिक उतार-चढ़ावों का सामना करने की कोशिश है, बल्कि फिलहाल दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जैसी चुनौतियां खड़ी हैं, उसमें स्थिरता बनाए रखने के उपायों से अर्थव्यवस्था को संभालने में मदद मिल सकती है।

क्या पाकिस्तान अपने कब्जे वाले पीओके में कश्मीरियों को गुलाम बनाकर रखना चाहता है?

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हिंसक झड़पें जारी हैं। क्षेत्र में सुधार और सार्वजनिक सुविधाओं की मांग को लेकर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएसी) की ओर से बुलाई गई हड़ताल के दौरान तीन पुलिसकर्मियों सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। इनमें अधिकतर मौतें पुलिस और सेना की फायरिंग में हुई हैं। पाकिस्तान सरकार द्वारा 38 प्रमुख मांगों को पूरा न करने पर शुरू हुआ यह विरोध प्रदर्शन सेना की ज्यादतियों के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन में बदल गया है, जिससे यह इलाका थम-सा गया है। पाकिस्तानी दैनिक द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार हड़ताल के कारण पीओके में व्यापार और अन्य गतिविधियां बंद रहीं और क्षेत्र में संचार व्यवस्था बाधित रही। धीर कोट और पीओके के अन्य हिस्सों में हिंसा की घटनाएं हुईं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि झड़पों में 172 पुलिसकर्मी और 50 नागरिक घायल हुए।

आजादी की मांग कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी फौज ने अंधाधुंध फायरिंग की, सड़कों पर लाशें ही लाशें बिछी हुई दिखाई दीं। आप तस्वीरें देखेंगे तो कलेजा मुंह को आ जाएगा। आसिम मुनीर की फौज ने पीओके की पुलिस को भी नहीं बख्शा। कई पुलिस वालों को भी गोलियों से उड़ा दिया। फौज को शक है कि पुलिस के जवान पी ओ के की आवाम का साथ दे रहे हैं। हालांकि फौज की गोलियां, लाशों के ढेर, खून की नदियां पी ओ के की जनता को डरा नहीं पाईं। उल्टा हुआ, विरोध की चिंगारी शोलों में बदल गईं।

इस वक्त भी मुजफ्फराबाद और मीरपुर जैसे शहरों में हजारों लोग सड़कों पर नारे लगा रहे हैं, शहबाज शरीफ की सरकार सदमे में है। घबराकर शहबाज शरीफ ने प्रदर्शनकारियों से बात करने के लिए एक टीम को मुजफ्फराबाद भेजा लेकिन इंकलाब के नारे लगाने वाले अब इंतकाम चाहते हैं। वो पाकिस्तान की हुकूमत से बात नहीं करना चाहते, आजादी चाहते हैं।

शहबाज शरीफ की हुकूमत ने प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग के ऑर्डर दिए, लेकिन पी ओ के की लोकल पुलिस ने लोकल लोगों पर गोलियां बरसाने से इंकार कर दिया। इसलिए इस्लामाबाद से काउंटर टेरेरिज्म यूनिट के एक हजार हथियारबंद जवान मुजफ्फराबाद भेजे गए। पाकिस्तान रेंजर्स और आर्मी को पी ओ के में चल रही आजादी की जंग को कुचलने के लिए भेजा गया है। सरकार का हुक्म है कि प्रदर्शनकारियों को किसी भी कीमत पर मुज़फ़्फ़राबाद पहुंचने से रोका जाए।

पाकिस्तानी फौज की हैवानियत दुनिया के सामने न आए, पी ओ के में लगी आग और ज्यादा न भड़के, इसलिए पाकिस्तान सरकार ने पी ओ के में इंटरनेट बैन कर दिया और मीडिया रिपोर्टिंग पर पाबंदी लगा दी है। लोगों का कहना है कि वो पिछले 78 बरस से पाकिस्तान के जुल्म झेल रहे हैं लेकिन अब इंतहा हो गई। अब शहबाज शरीफ की हुकूमत और मुनीर की फौज को अपने गुनाहों का हिसाब देना होगा।

वैसे तो पाकिस्तान के मीडिया ने पी ओ के के खून-खराबे को सेंसर कर दिया है लेकिन वहां के कुछ आजाद पत्रकार पी ओ के की खबरें बाकी दुनिया तक पहुंचा रहे हैं। ऐसे ही एक पत्रकार इमरान रियाज ने बताया कि पी ओ के में रेंजर्स और पुलिस की फायरिंग में बड़ी तादाद में लोग मारे गए हैं लेकिन शहबाज सरकार और मुनीर की फौज ये आंकड़ा छुपा रही है। पी ओ के की जनता अब पाकिस्तान से निजात पाने पर एलान कर चुकी है। निहत्थे लोगों पर फायरिंग के बाद भड़के हुए लोग पाकिस्तान की पुलिस पर अपना गुस्सा निकाल रहे हैं। कोटली, मीरपुर, और ददियाल में पब्लिक ने पुलिस की कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। बाघ कस्बे में भी रेंजर्स और पाकिस्तानी फौज के जवान अवाम के गुस्से का निशाना बने।

पाकिस्तान की हुकूमत बातचीत की दावत दे रही हैं लेकिन इस ऑफर में कितना खोट है, इसका सबूत इस्लामाबाद से आया। इस्लामाबाद प्रेस क्लब में एक प्रोटेस्ट मीटिंग बुलाई गई थी। इस मीटिंग में पी ओ के के कुछ लोग शामिल होने वाले थे और पत्रकारों को भी कवरेज के लिए बुलाया गया था लेकिन मीटिंग शुरू होते ही इस्लामाबाद पुलिस की टीम पहुंची और उसने वकीलों और पत्रकारों को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रेस क्लब के भीतर घुसकर लोगों को पकड़-पकड़कर पीटा। प्रेस क्लब के कैफेटेरिया में तोड़-फोड़ की। पुलिस के जवान वहां से प्रोटेस्टर्स को उठा ले गए।

इस्लामाबाद में पत्रकारों की पिटाई की तस्वीरों को तो पाकिस्तान की हुकूमत रोक नहीं पाई लेकिन पी ओ के की सड़कों पर बिछी लाशों की जो तस्वीरें मैंने आपको गुरुवार रात अपने शो आज की बात में दिखाई। वो हमने बड़ी मुश्किल से हासिल की हैं। पाकिस्तान की हुकूमत की पूरी कोशिश है कि पाकिस्तानी फौज की गोलियों की गूंज किसी को सुनाई न दे, बेगुनाह लोगों की मौत किसी को दिखाई न दे, पी ओ के में मीडिया के जाने पर पाबंदी है, इंटरनेट पर बैन लगा दिया गया है। पहले अवाम को रोकने के लिए कंटेनर्स लगाए गए, फिर बेहिसाब गोलियां बरसाईं गईं लेकिन लाशों का अंबार भी अवाम को रोकने में नाकाम रहा।

पी ओ के में लोकल मीडिया के लोगों ने जान पर खेलकर फौजी हैवानियत की तस्वीरें भेजी हैं। पाकिस्तान के मेनस्ट्रीम मीडिया से दिल दहलाने वाली ये तस्वीरें गायब हैं। पी ओ के के लोग पूछ रहे हैं कि कहां हैं वो लोग जो मोमबत्तियां जलाते थे? कहां हैं वो लोग जो इंसानियत के पैरोकार बनते थे? वेस्टर्न मीडिया को ये खून से सनी लाशें दिखाई क्यों नहीं देतीं? मुझे लगता है कि पी ओ के की आवाज को अब ज्यादा दिन दबाया नहीं जा सकेगा। बहुत जल्द शहबाज और मुनीर के जुल्म की तस्वीरें पूरी दुनिया देखेगी।

दरअसल पाक के कब्जे वाले कश्मीर में नागरिक समस्याओं का अम्बार लगा हुआ है। यहां के लोगों को पर्याप्त रोजगार के अवसर तो सुलभ कराये जाते ही नहीं हैं साथ ही मूलभूत नागरिक सुविधाओं से भी वंचित रखा जाता है। बताया जाता है किपाकिस्तानी सेना और पुलिस आये दिन उन पर अत्याचार करती रहती है। यहां नामचारे के चुनाव कराये जाते हैं और चुन-चुन कर इस्लामाबाद अपने गुर्गों को पदों पर बैठाता रहता है। अत: अक्सर इस इलाके के लोग भारत के कश्मीर के लोगों की स्थिति से अपनी तुलना करते हैं तो उनमें भारी खिसियाहट पैदा होती है। क्योंकि भारत के कश्मीरी भारतीय संविधान के साये में खुली हवा में सांस लेते हैं और अपने नागरिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हैं। जबकि पाकिस्तान के कश्मीरियों के लिए लोकतान्त्रिक तरीके से अपनी मांगों का इजहार करना भी दुष्कर होता है। इनके द्वारा जब भी कोई आन्दोलन होता है तो उसे पुलिस व सेना द्वारा कुचल दिया जाता है और जेलें भर दी जाती हैं। अत: कभी-कभी हमें ये खबरें भी पढ़ने को मिल जाती हैं कि पाक अधिकृत कश्मीर या 'पी ओ के' के लोगों ने भारत के समर्थन में नारे लगाये। पाकिस्तानी शासक अपने कब्जे वाले कश्मीर में मानवीय अधिकारों को जिस तरह अक्सर रौंदते हैं उसका मुकाबला केवल सैनिक शासन वाले देशों से ही हो सकता है जबकि पाकिस्तान में कहने को लोकतन्त्र है। ताजा हालात ये हैं कि पीओके में पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र की परिस्थितियों में सुधार व बेहतर सार्वजनिक सुविधाओं की मांग को लेकर इलाके की संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी हड़ताल या आन्दोलन कर रही है ।

अब तो इस आन्दोलन को समाप्त करने के लिए पाकिस्तानी शासकों ने सारी हदें पार कर डाली हैं और लोगों पर सरेआम पुलिस गोलियों की बौछार कराई जा रही है । आन्दोलन जब हिंसक हो गया तो तीन पुलिस वाले भी गुस्से का निशाना बने और हलाक हो गये। ये तो सरकारी आंकड़े हैं जबकि गैर सरकारी आंकड़े इससे बहुत ज्यादा बताये जा रहे हैं। एक्शन कमेटी के आह्वान पर पूरे इलाके में सभी तिजारती इदारे बन्द रहे और संचार व्यवस्था भी ठप्प रही। नागरिकों के सब्र का बांध जब टूटा तो गुलाम कश्मीर के कई शहरों में लोग हिंसा पर भी उतारू हो गये। हड़ताल इतनी सफल रही है कि मुजफ्फराबाद से लेकर धीरकोट, मीरपुर, पुंछ, नीलम, भीम्बरव पालन्दी तक में जनजीवन पूरी तरह अस्त- व्यस्त हो गया और सड़कें सूनी हो गईं। हालांकि पाकिस्तानी मीडिया बता रहा है कि एक्शन कमेटी के लोग हिंसक हो गये थे, खास कर धीरकोट में जहां तीन पुलिस कर्मियों को हलाक कर दिया गया। मगर पुलिस की बर्बरता तो गुलाम कश्मीर के लोग पिछले 76 सालों से सहते आ रहे हैं और अपने जन्नत जैसे इलाके को जहन्नुम में तब्दील होते देख रहे हैं। पाकिस्तानी शासकों ने इस इलाके में बसे गैर कश्मीरी भाषी कथित अभिजात्य वर्ग के लोगों को विशेष नागरिक अधिकार दे रखे हैं। स्थानीय सेवाओं में 12 प्रतिशत का आरक्षण उन लोगों को दे रखा है जो पाकिस्तान के दूसरे इलाकों से आकर घाटी में बसे हैं। एक्शन कमेटी मांग कर रही है कि इस आरक्षण को समाप्त किया जाये और इलाके के सभी लोगों को एक समान व मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाये। मुफ्त स्वास्थ्य सेवा भी हर नागरिक को उपलब्ध हो। ये मांगें पूरी तरह जायज हैं क्योंकि इलाके में किसी प्रकार का उद्योग - धंधा है ही नहीं। इसके पीछे मंशा यही है कि पाकिस्तान कश्मीरियों को गुलाम बनाकर रखना चाहता है।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

कांग्रेस का वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान

10 गांवों में पहुंचे पदाधिकारी, बोले- चोरी रोक ली तो जीत जाएंगे

खरगौन • दैनिक इंदौर संकेत

कांग्रेस ने वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के तहत हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक रवि जोशी ने जिलाध्यक्ष रवि नाईक के साथ टेमला से हस्ताक्षर कर इसकी शुरुआत की।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को वोट चोरी के प्रति जागरूक करना है। जोशी ने बताया कि वे गांवों में घूमकर लोगों को वोट चोरी को लेकर सतर्क करेंगे। टेमला के बाद, पदाधिकारी अघावण, पंधाना, छालपा, इदारतपुरा, पोखर, आसनगांव, नारायणपुरा, निमगुल, नवलपुरा, पिपराटा और मेनगांव सहित 10 अन्य गांवों में पहुंचे और अभियान के प्रति प्रेरित किया।

जिलाध्यक्ष रवि नाईक ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव निष्पक्ष होने चाहिए ताकि जनता के निर्णय से सरकार बने। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में चोरी के वोटों से सरकार बनाई जा रही है। नाईक ने कार्यकर्ताओं से कहा कि यदि भाजपा की वोट चोरी को रोक लिया गया, तो आधा चुनाव वहीं जीत जाएंगे।

कांग्रेस वोट चोरी पर नजर रखने के लिए बीएल 2 का गठन कर रही है। हस्ताक्षर अभियान का प्रारूप 15 अक्टूबर तक जिला कार्यालय में जमा करने को कहा गया है। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मांगीलाल पाटीदार, प्रवक्ता राजेश मंडलोई, रामेश्वर पाटीदार, अल्केश पाटीदार, मनोज पाटीदार, श्याम पाटीदार, संतोष यादव, बाबू यादव, भगवान पाटीदार सहित 200 से अधिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

खंडवा हादसा : 11 मौतों के जिम्मेदार ट्रैक्टर ड्राइवर को भेजा जेल

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए हादसे में 11 लोगों की मौत हुई। इस मामले में ट्रैक्टर ड्राइवर दीपक किराड़े को शनिवार को जेल भेज दिया गया है। हादसे में हुई 25 साल से कम उम्र के मृतकों में सिर्फ एक विधवा महिला थी, बाकी स्कूल पढ़ने वाले बालक-बालिकाएं थी। तीन घायल बच्चों में से खंडवा जिला अस्पताल में इलाजरत दो बच्चें स्वस्थ हो गए हैं, जिन्हें शाम को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया है। एम्बुलेंस की मदद से उन्हें उनके गांव पाडलफाटा छोड़ा गया हैं। इसके अलावा एक बालिका की हालत अब भी गंभीर बनी हुई हैं। जिसे इंदौर रेफर कर दिया गया था। सोनू नाम की इस बालिका का इलाज इंदौर में चल रहा है। सोनू ट्रैक्टर

ड्राइवर दीपक की बहन लगती हैं।

उधर, मृतकों के परिवार के लोग हादसे के तीसरे दिन भी सदमें से उबर नहीं पाए हैं। दो लोगों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पंधाना अस्पताल लाया गया था। हादसे को याद कर तो कोई अपनों को खोने का दर्द नहीं सहन कर पा रहा हैं। लगातार लोगों की तबीयत बिगड़ती जा रही हैं। शनिवार को सुबह से लेकर शाम तक चार बार पंधाना अस्पताल से एम्बुलेंस गांव जा चुकी हैं। गुरुवार को दुर्गा विसर्जन के दौरान अर्दला डैम के बैकवाटर से सटे जामली गांव में हादसा हुआ था। पानी में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से सवार 35 लोग डूब गए थे। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं 3 लोग घायल हो गए। बाकी ने तैरकर जान बचाई तो कुछ लोगों को जामली के ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर बाहर निकाला। सभी लोग राजगढ़ ग्राम पंचायत के तहत आने वाले पाडलफाटा के रहने वाले थे। हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी गांव पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की।

कलेक्टर के बंगले में कोबरा सांप निकला

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

कलेक्टर के बंगले के भीतर रविवार शाम के समय एक कोबरा प्रजाति का सांप निकला। परिसर में सांप के दिखने के बाद कर्मचारियों ने वन विभाग को सूचना दी। मौके पर वनकर्मी पहुंचा तब तक सांप पानी की टंकी के नीचे छिप गया। कलेक्टर के गनमैन और कर्मचारियों ने मशक्कत कर टंकी को जगह से हटाया, तब जाकर सांप फनफना कर बाहर आया। जिसे पकड़ लिया गया।

पंचर दुकान में सांप दिखाई दिया

इधर, दोपहर के समय इंदिरा चौक स्थित बीजेपी दफ्तर के पास एक पंचर दुकान में सांप दिखाई दिया। पूर्व पार्षद बलराम वर्मा की सूचना पर वनकर्मी मलखान सिंह मौके पर पहुंचा और कंप्रेशर मशीन के नीचे छिपे हुए सांप को हाथ में पकड़कर बाहर निकाला। यह सांप दमन-दीव प्रजाति का था।

वनकर्मी मलखान सिंह के मुताबिक, शहर में रोजाना 8 से 10 सांप निकलते हैं। जिन्हें रेस्क्यू कर जिमखाना मैदान के सामने स्थित विभागीय कार्यालय पर लाकर इकट्ठा किया जाता है। इसके बाद सांपों को शाम के समय नागचून के आगे टिटगांव के जंगलों में छोड़ दिया जाता हैं। खंडवा में अब तक करीब 50 प्रजाति के सांप निकल चुके हैं।

छात्रा से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, ब्लैकमेल कर की हैवानियत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • कक्षा 11वीं की छात्रा को बहला फुसलाकर बदमाश होटल लेकर पहुंचा और उसके साथ दुष्कर्म कर वीडियो बना लिए। यही नहीं आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी भी देने लगा। परेशान नाबालिग ने माता-पिता के साथ पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत की थी। जिस पर पुलिस ने पाक्सो एक्ट, सहित जबरन वसूली और बलात्कार का केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। हालांकि पुलिस नीलगंगा क्षेत्र की उस होटल संचालक के खिलाफ भी केस दर्ज करेगी, जिसमें नाबालिग के साथ बलात्कार हुआ।

नीलगंगा टीआई तरुण कुरील ने बताया कि कक्षा 11वीं की छात्रा ने थाने में शिकायत की थी कि लखन अमगया पिता ओमप्रकाश निवासी मोहन बड़ोदिया शाजापुर से उसकी पहचान एक साल पूर्व विवाह समारोह में हुई थी। इसके बाद वह उज्जैन आकर लगातार मिलने लगा और फोटो लेकर उन्हें एडिट कर वायरल करने की धमकी देने लगा। आरोपी पिछले कुछ समय से नीलगंगा क्षेत्र की होटल रेड रोज में काम कर रहा था। 24 सितंबर को लखन ने छात्रा को लोटी स्कूल चौराहे पर बुलाया और बहला-फुसलाकर नीलगंगा की होटल अवंति ले गया। वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने नाबालिग के वीडियो बना लिए और आगे भी इसी तरह संबंध बनाए रखने के लिए दबाव बनाया। इस शिकायत के बाद आरोपी के खिलाफ पाक्सो एक्ट सहित बीएनएस की धारा 64 और 308 के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है।

होटल संचालक ने आरोपी को कमरा दे दिया

टीआई तरुण कुरील ने बताया कि आरोपी बालिका को नीलगंगा क्षेत्र की अवंति होटल लेकर पहुंचा था। यहां संचालक ने नाबालिग के साथ आरोपी को कमरा दे दिया। इसकी सूचना पुलिस को भी नहीं दी। मामले में जांच की जा रही है। साथ ही होटल संचालक के खिलाफ भी केस दर्ज किया जाएगा।

डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने पर समिति बनाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • पूर्व में कार्यरत कंपनी के कचरा वाहन के आउटसोर्स कर्मचारियों को कलेक्टर गाइडलाइन अनुसार भुगतान नहीं होने सहित कई शिकायतें सामने आने के बाद मामले में जांच के लिए निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

जांच का जिम्मा अपर आयुक्त पवनकुमार सिंह, अपर आयुक्त पुनीत शुक्ला और उपायुक्त संजेश गुप्ता को दिया है। समिति 22 सितंबर को बनाते हुए जांच रिपोर्ट 15 दिन में सौंपने की बात हुई थी। जांच अंतर्गत प्राथमिक बैठक हो चुकी है, जहां कर्मचारियों के लिए कंपनी द्वारा तय शर्तें सामने रखी गई थी। मामले में जांच के लिए बनाई समिति को दिया समय सोमवार-मंगलवार को खत्म होने वाला है लेकिन फिलहाल रिपोर्ट अब तक तो नहीं सौंपी गई है। दरअसल निगम आयुक्त के समक्ष पूर्व में कार्यरत ग्लोबल वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा

संचालित डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों के ड्राइवरों और हेल्परों को नियमानुसार कलेक्टर गाइडलाइन के आधार पर पूर्ण वेतन भुगतान न करते हुए मात्र 6 हजार वेतन देने, सुरक्षा की दृष्टि से पीपीई किट उपलब्ध नहीं करवाए जाने, कचरे का स्त्रोत पर ही पृथक्करण आदि अनियमितताएं समाने आई थी। मामले में अपर आयुक्त सिंह ने बताया कि जांच चल रही है। एक बैठक हो चुकी है, जहां कर्मचारियों के लिए तय की शर्तें सहित अन्य जानकारी ली गई है। जांच रिपोर्ट भी जल्द सौंपी जाएगी।

मनीषा की कप्तानी में चीन दौरे पर जाएगी भारत ए महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी) ● मनीषा चौहान की कप्तानी में भारत ए महिला हॉकी टीम इसी माह पांच मैचों के लिए चीन दौरे पर जाएगी। भारत ए टीम अपने इस दौरे में 13 से 21 अक्टूबर तक पांच मैचों की सीरीज खेलेगी। इस दौरे से भारतीय महिला भारतीय महिला हॉकी टीम को विदेशी हालातों में अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। जिसका लाभ उसे भविष्य में होगा। इस दौरे पर भारतीय टीम 13, 15, 17, 19 और 21 अक्टूबर को मैच खेलेगी। इस दौरे से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय हालातों के अनुसार ढ़लने में सहायता मिलेगी। कोच डेव स्मोलेनार्स को इस दौरे में टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। स्मोलेनार्स ने कहा, 'हमने एक अच्छी और युवा टीम तैयार की है जिसमें जबरदस्त संभावनाएं हैं। चीन में होने वाली इस सीरीज से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

विश्व कप 2027 है हमारा लक्ष्य - शुभमन

मुंबई। (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट टीम के नये एकदिवसीय कप्तान बने शुभमन गिल ने कहा है कि उनका लक्ष्य विश्व कप 2027 है। शुभमन को ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले रोहित शर्मा की जगह पर एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी सौंपी गयी है। जिससे ये युवा बल्लेबाज बेहद उत्साहित है। इससे पहले उन्हें टेस्ट कप्तान बनाया गया था। एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी मिलने के बाद शुभमन ने कहा कि 2027 विश्वकप से पहले टीम को कुल 20 एकदिवसीय मैच खेलने को मिलेंगे। इसमें टीम अपने प्रदर्शन को निखारने पर ध्यान देगी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वीडियो में शुभमन ने कहा, अपने देश की एकदिवसीय में कप्तानी करना एक बड़ा सम्मान है , जिससे वह गर्व का अनुभव कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन कर पायेंगे। इस बल्लेबाज ने आगे कहा, दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप खेलने से पहले हमारे पास करीब 20 एकदिवसीय मैच हैं, जिसमें हमारे पास प्रदर्शन सुधारने का अच्छा अवसर है। साथ ही कहा कि हम जो भी खेलेंगे और जिन खिलाड़ियों के साथ भी खेलेंगे, वे विश्व कप से पहले एक शानदार सत्र खेलने का पूरा प्रयास करेंगे। ऐसे में खिताब के लिए दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले हम पूरी तरह से लय में रहेंगे।

वहीं दूसरी ओर रोहित को अचानक ही कप्?तानी से हटाए जाने पर हरभजन सिंह सहित कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने नाराजगी जतायी है। उनका कहना है कि छह महीने पहले ही रोहित की कप्तानी में टीम ने आईसीसी चैम्पयंस ट्रॉफी जीती थी। ऐसे में उन्हें कप्तानी से नहीं हटाया जाना चाहिये था। उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे तक तो कप्तान बनाया जाना चाहिये था।

सिने जगत

फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' का टीजर रिलीज

मुंबई। (एजेंसी) ● अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' का टीजर रिलीज हो गया है। रश्मिका मंदाना और दीक्षित शेट्टी स्टारर फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' को लेकर दर्शकों के बीच काफी वक्त से उत्साह बना हुआ था। रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा के साथ ही एक टीजर भी शेयर किया है। इसके साथ ही रश्मिका ने बताया है कि 'द गर्लफ्रेंड' 07 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी।

टीजर में रश्मिका मंदाना और एक्टर दीक्षित शेट्टी एक रेस्टोरेंट में बैठे नजर आते हैं। बातचीत के समय रश्मिका अपने किरदार में गहरे सोच में डूबी हुई लगती हैं। वह पूछती हैं, हम सबका एक टाइप होता है ना विक्रम? क्या मैं तुम्हारे टाइप की हूं? दो लोग कैसे तय करते हैं कि वो एक-दूसरे के लिए बने हैं? इसपर दीक्षित थोड़ा मुस्कुराते हुए कहते हैं, कहीं तुम ये तो नहीं सोच रही कि मैं तुम्हारे लिए सही हूं या नहीं? जिस पर रश्मिका जवाब देती हैं, मैं भी यही सोच रही हूं कि क्या मैं तुम्हारे लिए सही हूं।

उतार-चढ़ाव से भरा रहा श्रद्धा निगम का कॅरियर

मुंबई। (एजेंसी) ● एक्ट्रेस श्रद्धा निगम अपना जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस श्रद्धा ने साल 1997 में मलयालम फिल्म पूनिलमाझा से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसे पोंथारा फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया था। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा और साल 2000 में शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय की फिल्म जोश में नजर आईं। श्रद्धा ने फिल्मों के साथ-साथ टीवी इंडस्ट्री में भी सक्रिय रहते हुए आगाज, पार्टिशन, लाहौर और कृष्णा अर्जुन जैसी फिल्मों में काम किया। टीवी की दुनिया में भी उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाई। वह चूड़ियां, देखो मगर प्यार से, तू कहे अगर, कहानी घर घर की और साथिया जैसे लोकप्रिय शोज का हिस्सा रहीं। खासकर चूड़ियां उनके करियर के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ और इसी शो ने उन्हें दर्शकों के बीच लोकप्रियता दिलाई। टीवी शोज करते हुए श्रद्धा की मुलाकात एक्टर करण सिंह ग्रोवर से हुई। दोनों के बीच दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और दिसंबर 2008 में दोनों ने शादी कर ली। हालांकि, यह रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं टिक पाया और महज एक साल के भीतर ही उनके बीच मतभेद बढ़ गए। अक्टूबर 2009 में दोनों ने अलग होने का फैसला ले लिया।

उज्जैन संभाग

शिखर धवन ने महाकाल मंदिर में किए दर्शन-भस्म आरती में शामिल हुए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने रविवार सुबह विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन किए। वह भस्म आरती में शामिल हुए और नंदी हॉल में बैठकर पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आए। धवन ने कहा कि भगवान महाकाल के दरबार में आकर शक्ति का अनुभव होता है।

दर्शन-पूजन के बाद मीडिया से बात करते हुए शिखर धवन ने बताया कि वह दूसरी बार बाबा महाकाल के दरबार में आए हैं। उन्होंने कहा कि यहां आकर हर कोई बाबा की भक्ति में लीन हो जाता है और बहुत शक्ति मिलती है। भगवान महाकाल का आशीर्वाद हमेशा जरूरी है।

इस अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया ने शिखर धवन को भगवान महाकाल का दुपट्टा और प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया।

किसानों की समस्याओं के लिए कल कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगी जिला कांग्रेस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● तेज बारिश में किसानों की बर्बाद हुई फसलों के मुआवजे की मांग के साथ किसानों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण को लेकर कांग्रेस द्वारा कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा। विधायक एवं जिलाध्यक्ष महेश परमार एवं शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी की अगुवाई में 6 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

वर्मी कंपोस्ट प्लांट में विद्यार्थियों को सीखा रहे खाद बनाना

विद्यार्थियों को दी ट्रेनिंग, कॉलेज और स्कूलों के विद्यार्थी भी ले सकते हैं प्रशिक्षण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● देवास रोड स्थित शासकीय माधव साइंस कॉलेज में वर्मी कंपोस्ट प्लांट बनाकर यहाँ अब विद्यार्थियों को खाद बनाने की विधि सिखाई जा रही है। दो महीनों में कॉलेज के 100 विद्यार्थियों को खाद बनाने की ट्रेनिंग दी गई है। खास बात यह है कि शहर सहित प्रदेश के अन्य कॉलेज और स्कूलों के विद्यार्थी भी यहाँ आकर निःशुल्क खाद बनाने का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

माधव साइंस कॉलेज परिसर में वनस्पति उद्यान में स्थाई रूप से वर्मी कंपोस्ट प्लांट का निर्माण किया गया था। इस प्लांट में 10 अलग-अलग सेक्शन हैं। मंदिरों से निकलने वाले फूल, गोबर और अन्य विघटित होने वाले उत्सर्जित पदार्थ का मिश्रण यहाँ किया जाता है। प्राचार्य डॉ. हरीश व्यास ने बताया इस मिश्रण में केंचुए की विशेष प्रजाति आइसनिया फेटिडा का उपयोग ऑर्गेनिक खाद बनाने में किया जाता है। इसलिए इसे वर्मी कंपोस्ट कहा जाता है।यह प्रक्रिया भारतीय ज्ञान परंपरा का एक महत्वपूर्ण भाग है, क्योंकि केंचुए नम मिट्टी का महत्वपूर्ण भाग होते हैं और वे जटिल पदार्थों को सरल कार्बनिक में बदल देते हैं, जिसे ऑर्गेनिक खाद कहा जाता है। कॉलेज में इस प्लांट की शुरुआत इसी वर्ष 15 जुलाई से की गई है।

पहले चरण में बीएससी एग्रीकल्चर के 100 विद्यार्थियों को यहाँ खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। शहर में यह पहला शासकीय कॉलेज है, जहाँ वर्मी कंपोस्ट प्लांट बनाकर विद्यार्थियों को खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्लांट के को-ऑर्डिनेटर डॉ. अनिल पांडे एवं केयर टेकर स्वदेश शिशुलकर हैं। डॉ. व्यास ने बताया वर्तमान सत्र के अंत तक 400 से अधिक को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य है, ताकि समाज ऑर्गेनिक उत्पादों के प्रति सजग हों।

मकोड़ियाआम से कानीपुरा-तराना मार्ग तक बनेगी 30 मीटर की सड़क

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● सिंहस्थ 2028 में सुगम यातायात के लिए कई प्रोजेक्ट पर काम हो रहे हैं। इन्हीं में एक प्रोजेक्ट मकोड़ियाआम चौराहा से विराटनगर होते हुए कानीपुरा-तराना मार्ग तक चौड़ी सड़क बनाने का है। वर्तमान में ये सड़क 5 से 8 मीटर चौड़ी है, इसे 30 मीटर चौड़ा किया जाएगा। मास्टर प्लान 2035 में प्रस्तावित इस सड़क के विस्तार से भीड़ प्रबंधन में और ट्रैफिक डायवर्ट में मदद मिलेगी। सिंहस्थ मेले के अलावा बाकी समय में भी मार्ग उपयोगी सिद्ध होगा। नगर निगम ने इसके लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की है। सड़क निर्माण को एमआर-13 नाम दिया है। इस मार्ग के विस्तार में करीब 260 भवन प्रभावित होंगे।

इनकी जमीन अधिगृहीत की जाएगी। एवज में करीब 12.16 करोड़ मुआवजा भुगतान का प्रारंभिक आंकलन सामने आया है। ताजा स्थिति में प्रोजेक्ट की टेंडर की प्रक्रिया प्रचलन में है। कलेक्टर रोशनकुमार सिंह ने बताया भीड़ प्रबंधन के लिए विभिन्न प्रोजेक्ट पर काम हो रहा है। उनमें से एक ये भी है।

प्रोजेक्ट एक नजर में...

मकोड़ियाआम चौराहा से विराट नगर होते हुए कानीपुरा-तराना मार्ग तक सड़क निर्माण कार्य
एमआर- 13 एजेंसी = नगर निगम मार्ग की लंबाई - 1.22 किमी प्रस्तावित चौड़ाई 30 मीटर मार्ग की वर्तमान चौड़ाई - 5 से 8 मीटर
अनुमा?नित लागत - 46.54 करोड़

एमपीईबी की तरह जल्द ही निगम भेजेगा वाट्सएप पर संपत्ति कर संबंधित मैसेज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● अब संपत्ति कर चुकाने के लिए नगर निगम दफ्तर के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। नगर निगम जल्द ही वाट्सएप पर ही संपत्तिकर से जुड़ी जानकारी भेजना शुरू करेगा। ठीक वैसे ही जैसे एमपीईबी मैसेज के माध्यम से बिल भेजता है। क्यूआर कोड से संपत्तिकर भरा जाना शुरू हो चुका है, जिसके चलते अब लोगों को निगम या जोन में चक्कर लगाकर खड़े नहीं होना पड़ता है। इसी तरह व्हाट्सएप पर मैसेज आने से यह सुविधा और आसान हो जाएगी। शहरवासियों को सीधे मोबाइल पर वाट्सएप मैसेज भेजा जाएगा, जिसमें उनकी संपत्ति से जुड़ी टैक्स डिटेल, बकाया राशि और भुगतान लिंक होगा। इस लिंक पर क्लिक करते ही व्यक्ति ऑनलाइन भुगतान कर सकेगा। उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि क्यूआर कोड की तरह ही वाट्सएप पर मैसेज की सुविधा जल्द शुरू होगी। यह सभी नगर निगम के लिए होगी, जिसके लिए भोपाल स्थित इंजीनियर कार्यरत है।

बारिश से जलभराव क्षमता बढ़ी 92 बैराज व स्टॉप डेम में 92 प्रतिशत पानी जुटा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ●सीजन के अंतिम दिनों में हो रही बारिश ने जिले के खाली पड़े डेम, तालाबों को लबालब भर दिया। जिले में जलभराव क्षमता का 92त्न पानी जमा हो चुका है। दो मीडियम तालाब सहित 92 माइनर व बैराज में भी ज्यादातर में पानी जमा हो गया। इससे रबी फसल के लिए किसानों को अब ?पर्याप्त पानी मिलेगा। जिले के 30 हजार हेक्टेयर में इन्हीं तालाब व बैराज से सिंचाई हो सकेगी।

ज्ञात रहे इस साल बारिश के सीजन में मालवा क्षेत्र में कम बारिश हुई। अगस्त तक अल्पवर्षा के हालात रहे। इस कारण सोयाबीन फसल में पीला मोजेक सहित

अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ गया। हालांकि सीजन के अंतिम दिनों में बारिश का दौर शुरू हुआ और बारिश का कोटा पूरा हो गया।

पूरे बारिश के सीजन खाली पड़े तालाब व बैराज आखरी समय में पूरे भर गए। अरनिया और इंदौख की दोनों मीडियम परियोजना में भी अच्छा पानी आ गया। कुल मिलाकर तालाब व बैराज में 92त्न पानी का स्टॉक जमा गया है। ऐसे में अगली रबी सीजन की फसल के लिए किसानों को सिंचाई के लिए पानी की पूर्ति हो जाएगी।

30 सितंबर मानसून की विदाई- वैसे तो 30 सितंबर से ही मानसून की विदाई हो चुकी है लेकिन बंगाल की खाड़ी में चक्रवात के कारण वेस्टर्न डिस्टरबेंस हुआ और बारिश के नए सिस्टम बन गए। मौसम विदाई और रबी सीजन के शुरुआत दौर में इस बारिश को अभी मावठे की श्रेणी में भी शामिल नहीं किया जा सकता।

नवंबर में ही नहर से पानी की जरूरत पड़ेगी

जल संसाधन विभाग के ईई मयंक सिंह ने बताया कि अभी हो रही बारिश के कारण इस साल शुरुआती दौर में पानी की डिमांड कम रहेगी। जिन दो-तीन तालाब से नहर से पानी देना है, वहां भी संभवत- नंवबर में ही नहर छोड़ने की जरूरत पड़ेगी। किसानों के साथ बैठक करते हुए इसका समय तय करेंगे। सिंह ने बताया वैसे उज्जैन जिले में ज्यादातर परियोजनाओं से सीधे लिफ्ट करके ही सिंचाई की जाती है।

देश को केवल संघ बचा सकता है- कैलाश विजयवर्गीय

कांग्रेस से बीजेपी में आए तुलसी, शुक्ला भी संघ के गणवेश में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर● राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आएसएस) के शताब्दी वर्ष पर रविवार पांच अक्टूबर को इंदौर में भी जिले के 34 जगहों से करीब दो लाख स्वयंसेवकों ने पथ संचलन में भागीदारी की। पारंपरिक गणवेश में यह स्वयंसेवक सड़कों पर कदमताल करते हुए निकले।

इंदौर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पुत्र और पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय के साथ संचलन में भागीदारी की। वहीं कांग्रेस से बीजेपी में आए मंत्री तुलसी सिलावट, पूर्व विधायक संजय शुक्ला हो या बीजेपी के विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, नगराध्यक्ष सुमित मिश्रा सहित अन्य नेता सभी संघ के गणवेश में शामिल हुए। पथ संचलन का पूरा मार्ग भगवा रंग में रंगा हुआ था। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस मौके पर कहा कि- मेरा मानना है इस देश को कोई बचा सकात है तो संघ है, क्योंकि उन्हें तुष्टिकरण से कोई मतलब नहीं, उन्हें वोट बैंक की राजनीति नहीं करना है। उन्हें सिर्फ राष्ट्र नीति के साथ देशभक्ति के साथ चलना

है। राष्ट्र पहले के साथ चलना है। इसलिए बाकी सभी लोग कहीं ना कहीं वोट बैंक की राजनीति करते हैं, कुर्सी की राजनीति करते हैं, संघ को ना कुर्सी चाहिए ना राजनीतिक लाभ लेना है। उनका एक ही उद्देशय है कि देश मजबूत हो। इसलिए वह बात करते हैं व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण और देश निर्माण की। मंत्री ने कहा कि संघ की शाखा में व्यक्ति का निर्माण होता है, जिससे समाज बनता है और इसी से देश का निर्माण होता है। संघ की सौ साल की तपस्या है, तीन पीढ़ियां इसमें खप गई है। कैलाश ने कहा कि आज संघ की स्थिति ऐसी है कि गणवेश पहने वाला खुद को गौरान्वित महूसस करता है। वह खुद को देश का समर्पित कार्यकर्ता मानता है और गणवेश से संदेश मिलता है कि वह देश के लिए जी रहा है मर रहा है। किसी भी देश के निर्माण के लिए पीढ़िया लगती है और संघ ने यह किया है। शहर के भंवरकुआ, चिमनबाग, बंगाली चौराहा और संगम नगर में हजारों की संख्या में स्वयंसेवक शामिल हुए। पथ संचलन का जगह जगह स्वागत हुआ। आमजन ने महिलाओं ने भी पथ संचलन पर पुष्पवर्षा की। अखिल भारतीय सह सरकार्यवाह अरुण कुमार कनाडिया क्षेत्र के पथ संचलन में शामिल हुए और स्वयंसेवकों को शताब्दी वर्ष का संदेश भी दिया।

इंदौर में बिना हेलमेट मिलने लगा पेट्रोल, आदेश की अवधि हो गई खत्म

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिले में दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट की अनिवार्यता का आदेश अब समाप्त हो गया है। यह आदेश 30 जुलाई को जारी किया गया था और एक अगस्त से 29 सितंबर के लिए लागू किया गया था, लेकिन अब इसे आगे नहीं बढ़ाया गया है। नए कलेक्टर ने इस आदेश को समाप्त करने का निर्णय लिया है, जिसके चलते अब प्रशासन हेलमेट पहनने के लिए जागरूकता फैलाने पर जोर देगा।

पेट्रोल पंपों पर हेलमेट न पहनने वालों को ईंधन देने की सख्ती अब समाप्त हो गई है। पहले, जब यह आदेश लागू था, तो पेट्रोल पंपों पर हेलमेट न पहनने वाले चालकों की कतारें लग गई थीं। लोग हेलमेट मांगकर या खरीदकर ईंधन लेने आते थे। इस आदेश का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था, क्योंकि सड़क हादसों में सिर में चोट लगने से मृत्यु का मुख्य कारण बनता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष पूर्व न्यायाधीश अभय मनोहर सप्रे ने 29 जुलाई को इंदौर में आयोजित एक बैठक में हेलमेट की अनिवार्यता की बात की थी। इसके बाद तत्कालीन कलेक्टर आशीष सिंह ने पेट्रोल पंप संचालकों के लिए आदेश जारी किया था कि वे हेलमेट न पहनने वाले चालकों को ईंधन न दें।

संभागायुक्त रहते त्रिपाठी ने प्रतिबंधित किए थे लोहामंडी में ट्रक, लेकिन फिर कलेक्टर से मिलती रही छूट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के भयावह ट्रक हादसे (इंदौर ट्रक हादसा) के बाद भारी वाहनों की नो एंट्री को लेकर पुलिस और जिला प्रशासन ने सख्ती शुरू की है। जो ट्रांसपोर्टर को अखर गई है और एक बार फिर उन्होंने वही किया जो वह साल 2019 से कर रहे हैं। माल की बुकिंग और डिलीवरी बंद करने की घोषणा कर दी है। इस मामले में हाईकोर्ट में केस भी चल रहा है। इसमें प्रतिबंध से केवल सौ चुनिंदा लोहा व्यापारियों को ही माल परिवहन की छूट मिली हुई है, लेकिन इसी आड़ में हर दिन ट्रांसपोर्टर के करीब 5 हजार ट्रक लोहा मंडी एरिया में घुसते हैं।

इस मामले में तत्कालीन संभागायुक्त आईएएस आकाश त्रिपाठी ने 14 फरवरी 2019 को तत्कालीन कलेक्टर आईएएस लोकेश कुमार जाटव और

डीआईजी इंदौर, एएसपी ट्रैफिक को आदेश दिए थे कि लोहामंडी एरिया अग्रसेन चौराहे से जूनी इंदौर में भारी माल वाहनों को प्रतिबंधित किया जाता है। इसके कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इन्हें स्कीम 78 में आईडीए द्वारा प्लॉट दिए जा चुके हैं। इन्हें वहां शिफ्ट किया जाए।

इस पर व्यापारी इसमें हाईकोर्ट चले गए। एमपी हाईकोर्ट ने केवल उन व्यापारियों को अंतरिम राहत दी जिन्हें इंदौर आईडीए से स्कीम 78 में प्लॉट नहीं मिले थे। ऐसे करीब 100 कारोबारी थे। लेकिन ट्रांसपोर्टर को इसमें कोई राहत नहीं थी जो बुकिंग, माल डिलीवरी के लिए प्रतिबंधित थे। लेकिन फिर माल बुकिंग बंद करने की चेतावनी दी गई और इसके बाद तत्कालीन एडीएम के आदेश से दोपहर 12 से चार बजे तक और रात साढ़े आठ से सुबह 6 बजे तक माल परिवहन की छूट दे दी गई। यह आदेश तीन अप्रैल 2019 को जारी हुआ।

प्रशासन द्वारा तीन अप्रैल 2019 को जारी हुआ छूट का यही आदेश अब उनके गले की हड्डी बन गया है। जब भी भारी वाहन प्रतिबंधित किए जाते हैं। एसोसिएशन इसी आदेश का हवाला देकर फिर छूट मांगती है।

समय-समय पर इसमें तत्कालीन कलेक्टर आईएएस निशांत वरवड़े और आशीष सिंह के समय भी ट्रक को प्रतिबंधित करने की मुहिम चली और आदेश जारी हुए। लेकिन इसमें फिर ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन ने मुलाकात की और इसके बाद फिर इनकी दोपहर की छूट को चालू कर दिया गया।

इंदौर जिस तेजी से बढ़ा है उसी के साथ समय, परिस्थिति के अनुसार पूर्व कलेक्टर द्वारा भारी वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है। तत्कालीन कलेक्टर अजीत जोगी ने हाथीपाला को प्रतिबंधित किया था, तो गोपाल रेड्डी ने अपने कार्यकाल के दौरान राजवाड़ा क्षेत्र में भारी वाहन प्रतिबंधित किए थे।

दिसंबर में शुरू होगा पश्चिमी रिंग रोड का काम, 64 किमी लंबी बनेगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सिंहस्थ 2028 के पहले उज्जैन को जोड़ने वाली आउटर रिंगरोड परियोजना में 50 हेक्टेयर वनभूमि आएगी। इस परियोजना के लिए पर्यावरण अनुमति का इंतजार किया जा रहा है। अगले एक महीने में रीजनल इंपावरमेंट कमेटी की सहमति मिलने की संभावना है। इसके बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) सड़क निर्माण का कार्य आरंभ कर सकेगा। दिसंबर से पश्चिमी रिंग रोड का निर्माण शुरू किया जाएगा।

इस परियोजना के तहत बनने वाली आउटर रिंगरोड में लगभग 50 हेक्टेयर वनभूमि शामिल होगी, जिसमें करीब सात हजार पेड़ों को काटा जाना है। शुक्रवार को हुई रीजनल इंपावरमेंट कमेटी की बैठक में एनएचएआई अधिकारियों ने वन विभाग की सभी आपत्तियों का समाधान कर

दिया है। अब कमेटी की ओर से औपचारिक हरी झंडी मिलना बाकी है। बताया जा रहा है कि अनुमति से संबंधित बिंदुओं को जल्द ही ऑनलाइन किया जाएगा, जिसके बाद एनएचएआई आगे की कार्रवाई शुरू करेगा।

पश्चिमी रिंगरोड की कुल लंबाई 64 किलोमीटर होगी, जिस पर लगभग 1500 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह सड़क 638 हेक्टेयर भूमि से होकर गुजरेगी, जिसमें इंदौर और धार वनमंडल की लगभग 50 हेक्टेयर वनभूमि शामिल है। इंदौर क्षेत्र में 40 हेक्टेयर और धार में आठ से 10 हेक्टेयर वनभूमि चिह्नित की गई है। सड़क का मार्ग मऊ से हातोद होते हुए क्षिप्रा तक जाएगा और यह बेटमा, सांवेर और तराना जैसे क्षेत्रों से होकर गुजरेगा। पूर्वी रिंगरोड का निर्माण डकाच्या से पीथमपुर तक किया जाएगा, जो लगभग 77 किलोमीटर लंबा होगा। इसे दो हिस्सों में बनाया जाएगा। एक हिस्सा 38 किलोमीटर और दूसरा 39 किलोमीटर लंबा होगा। यह सड़क कंपेल, खुडैल, तिल्लौर, बड़गोंदा, पीथमपुर सहित 38 गांवों से होकर गुजरेगी। एनएचएआइ इस परियोजना का सर्वे कर रही है और इसे 40 महीने के भीतर यानी मार्च 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन फ्रॉड पीड़ितों की नौ माह में 11 करोड़ से अधिक राशि कराई वापस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ऑनलाइन फ्रॉड की बढ़ती शिकायतों के साथ ही इंदौर पुलिस क्राइम ब्रांच की कार्रवाई भी तेजी से बढ़ी है। साल 2025 के 9 माह में पुलिस अब तक 11.30 करोड़ की राशि आवेदकों की वापस करा चुकी है। इस दौरान इंदौर पुलिस को 3500 शिकायतें साइबर फ्रॉड से जुड़ी हुई मिली थीं।

क्राइम ब्रांच इंदौर ने शिकायत मिलने के बाद राशि को आगे शिफ्ट होने से रोकने के लिए हजारों फर्जी बैंक खातों को फ्रीज किया। साथ ही 100 से अधिक हैक किए गए सोशल मीडिया अकाउंट्स को रिकवर कराया है, और 200 से अधिक फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स जिन्हें आवेदकों के नाम और फोटो से बनाया गया था, ब्लॉक भी कराया। इसमें गैंगस्टर सलमान लाला केस भी शामिल है, जिसमें 61 अकाउंट होल्डर्स पर कार्रवाई हुई और अभिनेता एजाज जैसे व्यक्तियों पर भी लाला मामले में फर्जी बातें फैलाने पर केस

इस तरह हर माह रिकवर की गई राशि

माह	प्राप्त शिकायतों में हुई रिफंड राशि (रुपए में)
जनवरी	70 लाख 32 हजार 307
फरवरी	81 लाख 95 हजार 694
मार्च	60 लाख 10 हजार 955
अप्रैल	61 लाख 54 हजार 890
मई	173 लाख 04 हजार 552
जून	186 लाख 62 हजार 205
जुलाई	178 लाख 82 हजार 194
अगस्त	149 लाख 71 हजार 122
सितंबर	168 लाख 10 हजार

हुआ।

इंदौर क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि साइबर फ्रॉड से संबंधित जो शिकायतें आ रही हैं, वे मुख्य रूप से इन्वेस्टमेंट ऑनलाइन फ्रॉड (जैसे टास्क, ट्रेडिंग, गेमिंग आदि), बैंक अधिकारी बनकर चङ्घष्ट अपडेट, रिवॉर्ड प्वाइंट रिडीम, क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने के नाम पर धोखाधड़ी, और परिचित या रिश्तेदार बनकर ऑनलाइन ठगी से संबंधित हैं। इसके लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह की पहल पर चैटबॉट शुरू किया गया है। दंडोतिया ने बताया कि आमजन से आग्रह है कि ऑनलाइन से किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से बचने के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के Safe Clicks-AI Agentic solutions (Chatbot) को जागरूकता के लिए जरूर देखें। देखने के लिए इसकी वेबसाइट https://safeclicks.in पर जा सकते हैं, या मोबाइल नंबर 7049108197 पर संपर्क कर सकते हैं। या क्क्रकोड को स्कैन कर जानकारी ले सकते हैं। यदि आपके साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी होती है, तो तुरंत क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की साइबर हेल्पलाइन नंबर 704912-4445 या 1930/NCRP पोर्टल www.Cybercrime.gov.in पर शिकायत करें।

विजयवर्गीय ने जिस प्रतापगढ़ का बोला था, उनकी विधानसभा के पार्षद रिश्तेदार इसी ड्रग्स रैकेट से जुड़े

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक साल पहले 15 अक्टूबर 2024 में फ्लावर ब्रिज उद्घाटन के मौके पर इंदौर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मंच से ड्रग रैकेट को लेकर बड़ी बात कही थी। उन्होंने कहा था कि इंदौर में नशे के कारोबार के तार राजस्थान के प्रतापगढ़ से जुड़े हैं। इस कारोबार के पीछे कौन लोग हैं, उनके नाम भी मुझे पता हैं। मंत्री का एक साल पुराना बयान इसलिए चर्चा में आया है क्योंकि अब उन्हीं की विधानसभा के एक पार्षद के रिश्तेदार इसी रैकेट से जुड़े होने के चलते पुलिस में धराए हैं।

भागीरथपुरा इलाके में ड्रग्स रैकेट चलाने के आरोप में विधानसभा एक के वार्ड 6 की पार्षद संध्या यादव (वार्ड 6) के भतीजे गौरव यादव को गिरफ्तार किया गया है। उसे कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया है। आरोप है कि गौरव इलाके में नाबालिगों की गैंग के जरिए ड्रग्स की सप्लाई कराता था। बीजेपी पार्षद संध्या यादव का कहना है कि हमारी छवि खराब करने के लिए यह पुलिस का षड्यंत्र है। भतीजे को झूठा फंसाया गया है।

जानकारी के अनुसार, भागीरथपुरा चौकी पुलिस ने कुछ नाबालिगों को पकड़ा था, जिनसे पूछताछ में पहले यश उर्फ चांदतारा और सोनू माली के नाम आए और फिर उनकी गिरफ्तारी और जांच के बाद गौरव यादव का कनेक्शन मिला। गौरव प्रतापगढ़ के ड्रग्स माफियाओं से भी जुड़ा होकर वहीं से थोक में ड्रग्स बुलाकर भागीरथपुरा में बिकवाता रहा है। भागीरथपुरा चौकी पुलिस ने हाल ही में करीब 20 तस्करों और 5 पेडलर्स को पकड़ा है। इनसे पूछताछ में कई बीजेपी नेताओं के इस नेटवर्क से जुड़े होने के सबूत मिले हैं। क्षेत्र के कुछ प्रभावी नेताओं के बच्चे ही ड्रग्स का नेटवर्क चला रहे हैं। इसके पहले बीजेपी नेता केदार योगी के बेटे विनायक उर्फ विनु योगी की संलिप्तता मिली। वह गिरफ्तार हुआ तो मनीष उर्फ राजकुमार नायक, देव सेंगर, अमित उर्फ कुबेर योगी भी पकड़ में आए। प्रतापगढ़ के ड्रग माफिया से जुड़े वसीम उर्फ इस्माइल खान का नाम भी आरोपियों से पूछताछ में सामने आया है। उसकी गिरफ्तारी के बाद प्रतापगढ़ के फिरोज लाला और अमजद लाला के नाम आए। इसके बाद पुलिस बीजेपी पार्षद के भतीजे गौरव तक पहुंची। (साभर द सूत्र)

व्यापारी अब भी नगर निगम की कमेटी का कर रहे हैं इंतजार

सराफा चौपाटी के नए स्वरूप को लेकर कोई निर्णय नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सराफा चौपाटी को लेकर बनी कमेटी के बाद भी व्यापारियों को इंतजार है। आगामी दो से तीन दिनों में व्यापारी महापौर के सामने अपनी बात रख सकते हैं। बता दें कि श्राद्धपक्ष के बाद सराफा चौपाटी को लेकर निराकरण होने वाला था, लेकिन अभी तक सराफा व्यापारी इसे लेकर इंतजार कर रहे हैं।

इंदौर चांदी-सोना-जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि सराफा चौपाटी में 60 से 65 पारंपरिक दुकानें ही लगने दी जाएं। इन दुकानों को रोड के एक ही तरफ लगाया जाए, ताकि यहां आने वाले लोगों को आने-जाने में कोई दिक्कत न हो ओर वे विभिन्न व्यंजनों का लुत्फ भी ले सके।

एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष अजय लाहोटी ने बताया कि सराफा बाजार में दिन के समय जाम न लगे इसलिए यहां दुकानों के बाहर गाड़ियों की पार्किंग के लिए कुछ कुछ दूरी पर पीली रंग की लाइनें लगाई हैं। आगामी दो से तीन दिन में सराफा चौपाटी के मसले को लेकर पदाधिकारी महापौर पुष्यमित्र से मिलने जाएंगे, साथ ही उनके सामने ये बात भी रखेंगे कि रात में लगने वाली चौपाटी इन पार्किंग लाइनों के अंदर ही लगे। इससे यहां की चौपाटी का स्वरूप भी अच्छा दिखेगा और लोगों को आने-जाने में भी परेशानी नहीं होगी।

जता चुके हैं विरोध- बता दें कि सराफा व्यापारियों ने सराफा में लगने वाली रात्रिकालीन चौपाटी को हटाने के लिए मैदान संभाला था। शुरुआत में व्यापारियों ने मौन प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा। (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) फोन नं. 731-3530700